भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

22 अप्रैल - 28 अप्रैल 2026

jagrukjanta.net

वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - षष्ठी, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-8, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

संसद में महिला आरक्षण बिल-चित्त भी मेरा पट भी मेरा अंटा मेरे..... का!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

राजनीति के खिलाड़ियों के बीच जब कोई कच्चा खिलाड़ी खेलता है तो वह हर बार मात ही खाता है जैसा कि पिछली 17 अप्रेल को संसद में दिखाई दिया। राजनीति की बिसात में खिलाड़ी अपना काम कर गए और जो अपने आपको बहुत ज्यादा होशियार समझ रहे थे वे गच्चा खा गए। अब आप सोच रहे होंगे कि किस खिलाड़ी ने किस खिलाड़ी को गच्चा दे दिया तो आप देख लो। एक तरफ विपक्ष है जिसने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने वाले 131वें संविधान संशोधन बिल को पास नहीं होने दिया। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष है जिसने गत पिछले वर्षों 33 प्रतिशत आरक्षण बिल पास करवा लिया और चुनावों में उसके माध्यम से महिलाओं के वोट बटोर लिए। अब उसी आरक्षण बिल को सत्ता पक्ष ने लागू करने के लिए संसद में रखा तो विपक्ष ने बड़ा हो-हल्ला कर उसको पास नहीं होने दिया। विपक्ष इसे अपनी जीत समझ रहा है जबकि उन्हें नहीं मालूम कि आने वाले चुनावों में वर्तमान सत्ताधारियों के हाथ में यही बिल हथियार बनकर महिलाओं के वोट बटोरेगा। भाजपा और उसके सहयोगी दल इसी बिल को मुद्दा बनाकर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों को जनता के समक्ष महिला विरोधी साबित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगा जिसकी तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। इंडी गठबंधन चाहता तो इस बिल को पास हो जाने देता उसका क्या बिगड़ता। इस बिल को रोकने से उसे कोई राजनीतिक फायदा होने वाला नहीं है, जबकि एनडीए गठबंधन के पास तीन तलाक एवं महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे मुद्दे हैं जिन्हें वह भुनाने से कभी नहीं चूकेगा। संसद कें पिछले कार्यकालों की ओर पलट कर देखें तो राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव ने मुख्य रूप से 1996, 1998, 1999 और 2010 में महिला आरक्षण बिल का कड़ा विरोध किया था और इस बिल को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई थी। 8 मार्च 2010 को महिला दिवस के मौके पर भी उनकी पार्टियों ने राज्यसभा में बिल की प्रतियां फाड़कर भारी हंगामा किया था। उस समय ये नेता कोटा के भीतर कोटा (पिछड़ी महिलाओं के लिए अलग आरक्षण) की मांग कर रहे थे। 1998 में आरजेडी के सुरेन्द्र प्रकाश यादव ने संसद में बिल की प्रतियां फाड़ दी थी। इस विरोध में जेडीयू के शरद यादव भी लाल प्रसाद यादव और मुलायत सिंह यादव के साथ थे। इन नेताओं के विरोध के कारण यह बिल कई बार संसद में पारित होने से पहले ही समाप्त हो गया था। हो सकता है कुछ लोग सोच रहे होंगे कि 17 अप्रेल, 2026 को यह बिल संसद में पास हो जाता तो एनडीए को राजनीतिक फायदा मिलता। मगर, अब जबकि यह बिल संसद में गिर गया है तब भी एनडीए जनता के बीच जाकर महिलाओं की सहानुभूति बटोरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। यही तो राजनीतिक शतंरज के खिलाड़ियों पर एक पुरानी कहावत सही बैठती है और वह कहावत है 'चित भी मेरा, पट भी मेरा, अंटा मेरे.... का'।

shivdayalmishra@gmail.com

भारत दौरे पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच कई अहम MoU हुए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्टपति ली जे-म्युंग भारत दौरे पर है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की द्विपक्षीय बातचीत हुई। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच कई अहम एमओयू हुए। औद्योगिक सहयोग पर दोनों देशों के बीच समझौता हुआ। हम नए आयाम स्थापित करेंगे। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दक्षिण कोरिया के राष्टपति ली जे म्युंग ने सोमवार को मुलाकात की। दिल्ली के हैदराबाद हाउस से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्टपति ली जे म्युंग की पहली भारत यात्रा है।

राष्ट्रपति ली का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हम नए आयाम स्थापित करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि हम चिप से शिप तक हर क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे। भारत और कोरिया के बीच सांस्कृतिक संबंध है। औद्योगिक सहयोग पर दोनों देशों के बीच अहम समझौता है। हम फिल्म और गेमिंग में भी नए अवसर पैदा करेंगे। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग से मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे राष्ट्रपति ली जे म्युंग का उनके पहले भारत दौरे पर स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रपति ली का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। हर चुनौती ने जनसेवा के उनके संकल्प को और सशक्त किया है। भले ही यह उनका भारत का पहला दौरा है, लेकिन भारत के प्रति उनकी आत्मीयता हमारी पहली मुलाकात से ही स्पष्ट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की मौजूदी में भारत और दक्षिण कोरिया के बीच समझौता ज्ञापनों (MoUs) का आदान-प्रदान हुआ।

आज से खुल जाएंगे केदारनाथ धाम के कपाट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। श्री केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल की सुबह 8 बजे से खोल दिये जाएंगे। ग्रीष्म ऋतु के लिए मंदिर के खुलने के उपलक्ष्य में पूरे मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल मंदिर के द्वार खुलने के अवसर पर उपस्थित रहेंगे। इस साल की केदारनाथ यात्रा कई मायनों में खास और चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि भारी बर्फबारी के बाद रास्ते में खड़े विशाल ग्लेशियरों को काटकर रास्ता बनाया गया है। इस बार केदारनाथ धाम के लिए सात लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

यात्रियों की इस संख्या को देखते हुए प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यात्रा मार्ग के हर पड़ाव पर मेडिकल कैंप लगाए गए हैं और डॉक्टरों की टीमें तैनात की गई हैं ताकि ऊंचाई पर तबीयत बिगड़ने वाले यात्रियों को तुरंत इलाज मिल सके। कपाट खुलने से पहले भक्तों में दर्शन करने के लिए उत्साह चरम पर है।

जब तक समझौता नहीं हो जाता, अमेरिका ईरानी बंदरगाहों से नहीं हटाएगा नाकेबंदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

वाशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाएगा।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार श्री ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि युद्ध खत्म करने को लेकर दोनों देशों के बीच नयी बातचीत होगी या नहीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा है कि एक हफ्ता पहले शुरू हुई यह नाकेबंदी ईरान को पूरी तरह तबाह कर रही है और अमेरिका इस संघर्ष में काफ़ी आगे चल रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी संघर्ष-विराम की अवधि बुधवार को खत्म होने वाली है, लेकिन इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि पाकिस्तान में शांति वार्ता का दूसरा दौर आगे बढ़ेगा या नहीं। बैठक की संभावना को देखते हुए पाकिस्तान की राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, लेकिन अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अभी तक वाशिंगटन से रवाना नहीं हुए हैं, जबकि ईरान का कहना है कि उसने अभी यह तय नहीं किया है कि वह इसमें शामिल होगा या नहीं। वेंस दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार जब से नाकेबंदी शुरू हुई है, अमेरिकी सेना ने 27 जहाज़ों को वापस लौटने या किसी ईरानी बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका ने इस संघर्ष के दौरान पहली बार ईरान का झंडा लगे एक मालवाहक जहाज़ को भी रोका और ज़ब्त कर लिया।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जेडीए किराए पर देगा जमीन

जनता को मिलेगी पार्किंग की समस्या से राहत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जनता की सुविधा के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) ने नई पहल शुरू की है। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) की खाली पड़े भूखंडों पर अब पार्किंग की सुविधा मिलेगी। साथ ही इन भूखंडों पर मेले भी सजाए जा सकेंगे। जेडीए ने इस सुविधा को ऑनलाइन कर दिया है। इससे पार्किंग जैसी समस्या से राहत मिलने के साथ-साथ जेडीए के राजस्व में बढ़ोतरी की उम्मीद है। जेडीए की वेबसाइट पर एसएसओआइडी के जरिए बुकिंग प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। अब शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खाली पड़े जेडीए के भूखंडों को अल्प अवधि (अधिकतम 90 दिन) के लिए किराए पर दिया जाएगा। आवेदक यदि अवधि बढ़ाने का आवेदन करेगा तो उसे बढ़ाया जा सकेगा। पक्का निर्माण करना अवैध होगा। इस योजना के तहत सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक आयोजन किए जा सकेंगे।

जमीन का व्यावसायिक-गैर-व्यावसायिक उपयोग

- **व्यावसायिक गतिविधियां:** साइट ऑफिस, मेंटेनेंस स्टोरेज, प्रदर्शनी, कार वॉशिंग, स्टोन एवं मार्बल विक्रय, गेम जोन, सर्कस आदि।
- **गैर-व्यावसायिक उपयोग:** सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम, सामूहिक विवाह, सरकारी एवं अर्द्ध-सरकारी संस्थाओं की गतिविधियाँ, शैक्षणिक संस्थानों के कार्यक्रम, अस्थायी पार्किंग तथा नर्सरी जैसी गतिविधियाँ।

प्रतिदिन के आधार पर शुल्क निर्धारण

व्यावसायिक उपयोग

अवधि (दिन)- प्रति दिवस राशि (₹)
1 से 3 - 11,507
4 से 7 - 10,685
8 से 90- 9,863
भूखंड का क्षेत्रफल : 1,000 वर्ग मीटर
आरक्षित दर : 30,000 रुपए

गैर-व्यावसायिक उपयोग

अवधि (दिन) - प्रति दिवस राशि (₹)
1 से 3 - 5,753
4 से 7- 5,342
8 से 90- 4,932
भूखंड का क्षेत्रफल : 1,000 वर्ग मीटर
आरक्षित दर: 15,000 रुपए।

आवेदन प्रक्रिया

- राजस्थान का कोई भी निवासी, पंजीकृत संस्था, समाज या व्यावसायिक इकाई आवेदन कर सकती है।
- आवेदन के साथ पैन और आधार कार्ड की प्रति अनिवार्य होगी।
- आवेदन शुल्क 500 रुपए तय किया गया है (नॉन-रिफंडेबल)।
- बुकिंग की स्वीकृति के समय आवेदक को तय किराया एकमुश्त जमा कराना होगा तथा कुल राशि का 10 फीसदी धरोहर राशि के रूप में जमा करनी होगी।

इससे ये फायदा होगा

इससे जयपुर की आम जनता को पार्किंग की सुविधा आसानी से मिलेगी, जिससे शहर में ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या काफी हद तक कम होगी। मेले, सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के लिए सस्ते व आसान विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय व्यापारियों और आयोजकों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही जेडीए को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा, जो शहर के विकास कार्यों में उपयोगी साबित होगा। यह पहल पर्यावरण अनुकूल भी है क्योंकि खाली प्लॉटों का बेहतर उपयोग होगा। कुल मिलाकर, यह योजना जयपुर को अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रक्तदान शिविर का 50% रक्त सरकारी ब्लड बैंकों में देना जरूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में अक्सर होने वाली खून की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। अब प्रदेश में आयोजित होने वाले सभी स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों में एकत्रित कुल रक्त का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा सरकारी ब्लड बैंकों को देना अनिवार्य कर दिया गया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब तक के रुझानों में देखा गया था कि कई बड़े सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएं रक्तदान शिविर तो आयोजित करती थीं, लेकिन एकत्रित रक्त का एक बड़ा हिस्सा निजी ब्लड बैंकों को हस्तांतरित कर दिया जाता था। इसके चलते सवाई मानसिंह अस्पताल जैसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में गंभीर मरीजों और दुर्घटना पीड़ितों के लिए रक्त की निरंतर कमी बनी रहती थी। नए नियमों का उद्देश्य इस असंतुलन को समाप्त करना है।

सख्त निगरानी और ऑनलाइन ट्रैकिंग

नई व्यवस्था के तहत अब रक्तदान शिविर आयोजित करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियंत्रित बनाया गया है। किसी भी शिविर के आयोजन के लिए संबंधित सहायक औषधि नियंत्रक से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अनुमति देने से पहले अधिकारी पिछले तीन महीनों के रक्त उपयोग और वर्तमान स्टॉक की गहन समीक्षा करेंगे, ताकि वितरण संतुलित रहे। सभी सरकारी और निजी ब्लड सेंटरों के लिए 'ई-रक्तकोष पोर्टल' पर पंजीकरण करना और उपलब्ध रक्त के स्टॉक का डेटा रीयल-टाइम अपडेट करना अनिवार्य होगा।

मोबाइल बसों को बढ़ावा

रक्त संग्रहण की क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने मोबाइल ब्लड डोनेशन बसों को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। ये बसें दूर-दराज के इलाकों या सार्वजनिक स्थानों पर जाकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगी और मौके पर ही रक्त संग्रह करेंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से न केवल सरकारी अस्पतालों में खून की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि गरीब मरीजों को रक्त के लिए निजी ब्लड बैंकों की महंगी दरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

जागरूक खबरें

सिरसी रोड जयपुर का काम शुरू, JDA अफसरों पर बरसे स्थानीय लोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर की प्रमुख सड़कों में शामिल सिरसी रोड पर करीब आठ महीने से बंद पड़ा निर्माण कार्य अब फिर से शुरू हो गया है। लंबे इंतजार के बाद काम शुरू होने से स्थानीय लोगों को राहत की उम्मीद जगी है, लेकिन आगाज के साथ ही काम की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, जेडीए में बीते दिनों एक्सईएन के तबादले हुए। ऐसे में पुराने वालों ने जिम्मेदारी छोड़ दी और नए वाले अब तक फील्ड में सक्रिय नहीं हुए हैं। ऐसे में काम की निगरानी नहीं हो पा रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि काम के दौरान जेडीए के अधिकारी मौके पर नजर नहीं आते और पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चल रहा है। यही वजह है कि ग्रेवल बिछाने जैसे शुरुआती काम में भी मनमानी की जा रही है। कई जगहों पर मानकों के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। निर्माण कार्य भी एक समान तरीके से नहीं हो रहा है। जोन-12 में करीब तीन किमी हिस्से में सड़क निर्माण शुरू कर दिया गया है, जबकि जोन-7 में अब तक काम शुरू ही नहीं हो पाया है। यहां करीब 800 मीटर का हिस्सा अब भी अधूरा पड़ा है, जिससे स्थानीय लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रीष्मावकाश में तीन जोड़ी स्पेशल रेलसेवा संचालन में किया गया विस्तार

जयपुर @ जागरूक जनता। रेलवे द्वारा ग्रीष्मावकाश पर अतिरिक्त यात्री यातायात के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए 3 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार किया है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के सूत्रों ने बताया कि गाड़ी संख्या 04725 एवं 04726, हिसार-खड़की-हिसार साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में हिसार से तीन से 31 मई तक (05 ट्रिप) एवं खडकी से चार मई से एक जून तक (08 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है।

वेब पोर्टल पर स्व-गणना की सुविधा 1 से 15 मई 6 तक आमजन से सहयोग की अपील

मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 16 मई से 14 जून तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत की जनगणना, राष्ट्र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रशासनिक प्रक्रिया है। जनगणना के माध्यम से देश के प्रत्येक नागरिक से संबंधित सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी एकत्रित की जाती है। इन आंकड़ों के आधार पर केंद्र व राज्य सरकारें विभिन्न विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की योजना बनाती हैं।

प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक ने कहा है कि जयपुर जिले में इस महत्वपूर्ण कार्य को जनसहभागिता के साथ सफल बनाने के लिए, जिले के प्रत्येक नागरिक तक जनगणना का संदेश प्रभावी रूप से पहुंचे तथा जन-जनसमुदाय इस प्रक्रिया के महत्व को समझते हुए सक्रिय रूप से इसमें सहयोग करें।

प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर के जनगणना 2027 के वैधानिक क्षेत्र में कुल 38 चार्ज अधिकारी हैं जिसमें 20 तहसीलदार, 2 नगर परिषद आयुक्त व 16 अधिशाषी अधिकारी नियुक्त हैं। यहाँ की अनुमानित जनसंख्या 35.54 लाख है जिसमें 5279 हाउस लिस्टींग ब्लॉक में 4883 प्रगणक एवं 793 सुपरवाईजर द्वारा 16 मई से 14 जून तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जायेगा।

डिजिटल इंडिया पहल के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अंतर्गत जनगणना 2027 में डेटा के संग्रहण और प्रसार की गुणवत्ता, दक्षता तथा समयबद्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डिजिटल प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया जाएगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए गणकों द्वारा डेटा संग्रहण के लिए एक समर्पित मोबाइल अनुप्रयोग (HLO Application) का उपयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आम नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा राजस्थान में 1 मई से 15 मई तक समर्पित वेब पोर्टल (https://se.census.gov.in) के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। यह वेब पोर्टल अंग्रेजी, हिंदी तथा 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है यह मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रक्रिया के पूर्व 15 दिनों की अवधि तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

परिवार का कोई भी एक सदस्य लगभग 15-20 मिनट में स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए परिवार संबंधी विवरण दर्ज कर सकता है तथा स्व-गणना पहचान संख्या अपने मोबाइल, ई-मेल पर प्राप्त कर सकता है। स्व-गणना में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सरल एवं सुलभ माध्यम प्रदान किए गए हैं, जिसके माध्यम से परिवार अपनी सुविधा के अनुसार परिवार संबंधी विवरण उपलब्ध करा सकते हैं। प्रगणक द्वारा मकान सूचीकरण के दौरान, स्व-गणना के विवरण की पुष्टि एवं अंतिम प्रस्तुतिकरण के लिए, परिवार के सदस्य द्वारा SE ID प्रगणक के साथ साझा करना आवश्यक होगा।

'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' रोड शो कल

कृषि क्षेत्र, एग्रीटेक क्षेत्र में साझेदारी और निवेश के अवसरों पर होगा मंथन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को कृषि नवाचार और निवेश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026' रोडशो का आयोजन 23 अप्रैल 2026 को कन्वेंशन हॉल, होटल द अशोक, नई दिल्ली में किया जाएगा। इस रोडशो का उद्देश्य राज्य की प्रगतिशील कृषि नीतियों, निवेश की संभावनाओं तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है। साथ ही, यह आयोजन उद्योग, स्टार्टअप्स और अकादमिक संस्थानों के साथ सार्थक साझेदारी को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम कृषि, एग्रीटेक आदि क्षेत्रों से जुड़े नीति मार्गदर्शक, नीति निर्माता, उद्योगपति, उद्यमी, कृषि स्टार्टअप्स, एफपीओ, प्रगतिशील किसान आदि भाग लेंगे। रोडशो के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा अनुभव साझा करने के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे जिसमें एग्रीटेक क्षेत्र में नवाचार एवं श्रेष्ठ प्रथाओं पर चर्चा होगी तथा राज्य की कृषि क्षेत्र में रूपांतरण की रणनीति एवं विजन पर प्रकाश डाला जाएगा। इस दौरान प्रमुख कंपनियों, स्टार्टअप्स एवं शिक्षाविदों के साथ राज्य में कृषि क्षेत्र में संभावित सहयोग के अवसरों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह रोडशो 'ग्राम-2026' की तैयारियों को गति देने के साथ ही राज्य में कृषि क्षेत्र में नवाचार, निवेश और साझेदारी को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अजमेर-किशनगंज गरीब नवाज एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक रेलसेवा का किशनगंज स्टेशन पर संचालन समय बदला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलसेव द्वारा अजमेर-किशनगंज गरीब नवाज एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक रेलसेवा का किशनगंज स्टेशन पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 15716, अजमेर-किशनगंज गरीब नवाज एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक रेलसेवा दिनांक 27.04.26 से किशनगंज पर 03.00 बजे के स्थान पर 03.15 बजे आगमन करेगी।

बैकफुट पर आई सरकार, 'सार्थक नाम' अभियान वापस

'सार्थक नाम अभियान' के तहत राजस्थान शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 से 9 तक के करीब 3000 छात्र-छात्राओं के नामों की लिस्ट तैयार की है
स्कूलों में बच्चों के नेम और सरनेम बदलेगी सरकार!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्कूलों में पढ़ने वाले और प्रवेश लेने वाले बच्चों के अर्थहीन नामों को बदलने और संशोधित करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग की ओर से शुरू किया गया 'सार्थक नाम' अभियान अब नहीं चलेगा। शिक्षा विभाग की ओर से इस आदेश को वापस ले लिया गया है। विभाग की ओर से जारी की गई 2900 नामों की सूची विवादों में आने के बाद सरकार बैकफुट पर आ गई। सूची में ही कई ऐसे विवादित नाम सामने आ गए, जिन पर खुद अभिभावक संघों ने आपत्ति जता दी। सूची शिक्षा मंत्री कार्यालय की ओर से एआई की मदद से तैयार की गई। हालांकि विभाग की ओर से तर्क दिया गया था कि सूची अधिकृत नहीं है।

दिलावर ने की थी घोषणा

'**सार्थक** नाम' अभियान की घोषणा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने की थी। इसको लेकर मंत्री ने प्रेस वार्ता भी की। बताया कि व्यक्ति का नाम उसके व्यक्तित्व, संस्कार और सामाजिक छवि का दर्पण होता है। नाम सुनते ही हमारे मन में उस व्यक्ति की एक छवि बनने लगती है। नाम व्यक्ति की पहचान और विशिष्टता को दर्शाता है। नाम का व्यक्ति के आत्मविश्वास और व्यवहार पर भी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में स्कूली बच्चों के अर्थहीन नामों में बदलाव किया जाएगा।

सूची में इस तरह के नाम सामने आए

अर्थहीन नामों को बदलने के लिए तैयार की गई सूची में ही अजीबोगरीब नाम सामने आए। इससे शिक्षा विभाग की हास्यास्पद कारगुजारी सामने आई। इसके अलावा सूची में गलतियों की भरमार मिली। सामान्य हिंदी शब्द भी गलत लिखे गए । सूची में भयंकर, भिक्षा, मक्खी, दहीभाई, अहंकार, अहित, बेचारादास जैसे नाम सामने आए। सूची में जारी किए नामों पर जेंडर की गलतियां भी सामने आई थी।

> '**शिक्षा** विभाग की ओर से शुरू किए गए सार्थक नाम अभियान के आदेश को वापस ले लिया गया है। अभिभावक अपने स्तर पर ही निर्णय लेंगे।'
> **-राजेश यादव,** एसीएस, शिक्षा विभाग

खरीफ-2026

बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की बिक्री की अनुमति जारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा गैर-संशोधित (BG-II, GFM) बीटी कपास हाइब्रिड की व्यावसायिक खेती के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) तथा बीटी कपास पर स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुसार खरीफ-2026 के लिए बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की बिक्री की औपचारिक अनुमति जारी कर दी गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत अनुमोदित 34 बीज कंपनियाँ राज्य के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में निर्धारित शर्तों के अनुसार बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की आपूर्ति कर सकेंगी।

बिक्री नियंत्रण, गुणवत्ता और निगरानी

उन्होंने बताया कि सभी कंपनियों को यह सुनिश्चित करना है कि खरीफ-2026 के लिए बीटी कपास हाइब्रिड बीज की बिक्री कीमत केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित न्यूनतम-अधिकतम दरों (आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 व बीज नियंत्रण आदेश-1983 के तहत) से अधिक न हो। प्रत्येक बीज पैकेट पर सत्यापन के लिए एक अद्वितीय QR कोड तथा वैध संपर्क नंबर अंकित रहना अनिवार्य है।

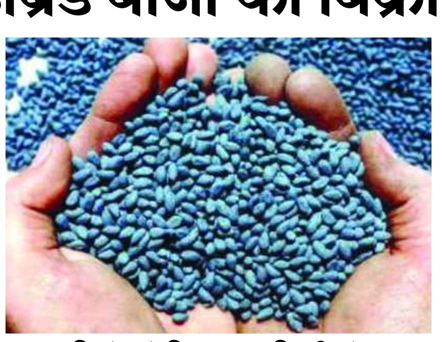

कंपनियों को जिला-वार बिक्री योजना

डीलर-सूची तथा वास्तविक बिक्री की पखवाड़े-आधारित रिपोर्ट कृषि संयुक्त निदेशक (विस्तार), जिला परिषद एवं कृषि आयुक्तालय, जयपुर को नियमित रूप से उपलब्ध करवानी होगी, जबकि बीज की मात्रा संरचना और रिफ्यूज बीज की गुणवत्ता पर विभाग द्वारा निरंतर निगरानी रखी जाएगी।

सहकारी क्षेत्र को प्राथमिकता

आयुक्त कृषि ने बताया कि राज्य सरकार ने बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की जिला-स्तरीय आपूर्ति में सहकारी क्षेत्र (KVSS, GSS, FPOs) को 15-20% आवंटन की प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए है, ताकि छोटे और सीमांत किसानों को बीज आसानी से उपलब्ध हो सकें। इसके लिए जिला प्रशासन, कृषि विभाग और संबंधित बीटी कपास कंपनियों के साथ संयुक्त बैठकें आयोजित की जाएंगी। बीज जारी करने के बाद बीटी कपास की निगरानी सम्बद्ध क्षेत्रीय तथा विभागीय ATC की समितियाँ करेंगी, जिनकी रिपोर्ट राज्य स्तर पर विश्लेषण के बाद भविष्य के नीतिगत निर्णयों में उपयोग होगी।

परीक्षण और क्षेत्रीय अनुमति

आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि प्रत्येक बीटी कपास हाइब्रिड के प्रदर्शन का मूल्यांकन कृषि-जलवायु क्षेत्रवार एटीसी, एआरएस व केवीके फार्मों पर अनिवार्य परीक्षण के माध्यम से किया जाएगा। 30 अप्रैल 2026 तक बीज कंपनियाँ संयुक्त निदेशक कृषि (ATC), कृषि आयुक्तालय को बीज उपलब्ध करवा सकती हैं, जिसका विभाग निर्धारित मानदंडों के आधार पर परीक्षण शुल्क लेगा। यदि किसी हाइब्रिड पर दो वर्ष से लगातार प्रदर्शन परीक्षण किए जा चुके हैं, तो अतिरिक्त परीक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। नरेश कुमार ने बताया कि श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जैसे पश्चिमी जिलों में सफेद मक्खी और कॉटन लीफ कर्ल वायरस (CLCuD) के प्रति संवेदनशील बीटी कपास हाइब्रिड की बिक्री पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध रखा गया है, ताकि इन रोगों के प्रकोप को रोका जा सके। सभी बीज कंपनियाँ अपनी बिक्री क्षेत्रों में कृषि विभाग के सहयोग से किसानों को त्रि-स्तरीय प्रशिक्षण बुवाई-पूर्व, फसल-वृद्धि तथा कटाई के चरणों में देगी। इसमें बीटी संरचना वाले रिफ्यूज बीज के निर्धारित अनुपात (20% क्षेत्र या पाँच सीमावर्ती कतारें) का पालन, उर्वरक व खाद प्रबंधन, तथा संकीर्ण जैव नियंत्रण तकनीके शामिल हैं। किसानों को हिंदी में तैयार कृषि पद्धतियों का पैकेज दिया जाएगा, जो बीज पैकेट के साथ प्रत्येक ग्राहक को उपलब्ध करवाया जाना अनिवार्य है, ताकि ज्ञान-आधारित खेती को बढ़ावा मिल सके।

हर दिन लगभग 700 नए उपभोक्ता अपना रहे सोलर, 1.44 लाख उपभोक्ताओं का बिजली उपभोग बिल हुआ शून्य

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में सौर ऊर्जा के प्रति विद्युत उपभोक्ताओं का रूझान तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व तथा ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन दे रही है। प्रदेश में अब तक घरेलू, अघरेलू तथा औद्योगिक श्रेणी में कुल 2,45,317 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा चुके हैं। इससे 1,43,965 उपभोक्ताओं का बिजली उपभोग बिल शून्य हो गया है। छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर विद्युत उपभोक्ता ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं। कुल रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर है। जिसकी कुल क्षमता 2090 मेगावाट है। गुजरात 6,882 मेगावाट क्षमता के साथ प्रथम, महाराष्ट्र 5,442 मेगावाट क्षमता के साथ द्वितीय स्थान पर है। प्रदेश में लगभग 32 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने 10 किलोवाट या इससे अधिक क्षमता के रूफ टॉप सोलर स्थापित किए हैं।

पीएम सूर्यघर में लगे 1.77 लाख संयंत्र

पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत राज्य में अब तक 686 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 77 हजार 468 रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। प्रतिदिन औसतन 675 से 700 नए उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। विगत मार्च माह में कुल 20,343 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए। यह किसी एक माह में स्थापित रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की दूसरी सर्वाधिक संख्या है। मार्च माह की 23 तारीख को एक ही दिन में 910 सौर ऊर्जा संयंत्र लगे। यह किसी भी एक दिन में लगे सोलर की सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले इसी जनवरी माह में 20,853 तथा फरवरी माह में 16,957 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए थे। पीएम सूर्यघर योजना में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल के बाद राजस्थान देश में पांचवें स्थान पर है।

प्रत्येक 6 माह में ही दोगुना इंस्टालेशन

पीएम सूर्यघर योजना में प्रत्येक छह माह में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या दो से ढ़ाई गुना तक बढ़ रही है। फरवरी, 2024 में इस योजना की शुरूआत हुई। इसके प्रथम शुरूआती 6 महीनों में मात्र 7,694 उपभोक्ताओं ने ही रूफ टॉप सोलर लगाए थे। इसके बाद प्रत्येक 6 माह के अन्तराल में ₹ मशः 19,45, 39,311 तथा 68,450 उपभोक्ताओं ने रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए हैं। इस वर्ष के शुरूआती 3 माह में कुल 58,153 उपभोक्ता सौर संयंत्र इंस्टॉल करा चुके हैं। इसे देखते हुए उम्मीद है कि इस साल के प्रथम 6 माह में रूफ टॉप संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख से अधिक पहुंच जाएगी।

1185 करोड़ की सब्सिडी हस्तांतरित

पीएम सूर्यघर योजना में रूफ टॉप संयंत्र लगाने के करीब एक से डेढ़ माह के भीतर ही 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी राशि उपभोक्ता के खाते में हस्तांतरित हो जाती है। अब तक 1 लाख 52 हजार 350 उपभोक्ताओं के बैंक खातों में भारत सरकार से 1185 करोड़ रूपए की सब्सिडी राशि हस्तांतरित हो चुकी है। इस प्रकार करीब पीएम सूर्यघर के 85 प्रतिशत लाभार्थियों को सब्सिडी मिल चुकी है।

150 यूनिट योजना में 13 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सब्सिडी

प्रतिमाह 150 यूनिट प्रतिमाह निशुल्क बिजली योजना के अन्तर्गत रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने पर 13141 उपभोक्ताओं को जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम द्वारा 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा चुकी है। इस योजना में अब तक 23,273 उपभोक्ताओं ने सोलर संयंत्र लगा लिए हैं। इस प्रकार 150 यूनिट योजना में करीब 22 करोड़ 33 लाख रूपए की सब्सिडी उपभोक्ताओं को मिल चुकी है। दिसम्बर, 2025 से इस योजना में सब्सिडी वितरण की शुरूआत हुई थी। इस प्रकार प्रदेश में रूफ टॉप सोलर लगाने पर उपभोक्ताओं को पीएम सूर्यघर योजना में अधिकतम 78 हजार रूपए तथा 150 यूनिट योजना में 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है।

बैंकों से मिल रहा आसान ऋण

पीएम सूर्यघर योजना में रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए बैंकों से लगभग 5.75 प्रतिशत की आसान ब्याज दर पर ऋण सुविधा भी मिल रही है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रदेश में 62,236, बैंक ऑफ बड़ौदा 9,292, राजस्थान ग्रामीण बैंक द्वारा 8,169, कैनरा बैंक द्वारा 1,866 तथा अन्य बैंकों द्वारा 16,666 विद्युत उपभोक्ताओं को रूफ टॉप लगाने के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

लगभग 1900 वेंडर्स हैं पोर्टल पर रजिस्टर्ड

पीएम सूर्यघर योजना को घर-घर तक पहुंचाने में वेंडर्स भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में पीएम सूर्यघर नेशनल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले वेंडर्स की संख्या बढ़कर 1896 तक पहुंच गई है।

माधव विश्वविद्यालय कृषि महाविद्यालय का अनूठा प्रयोग

पॉलीहाउस में हल्दी की बुवाई का नवाचार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में नवाचार के तहत पॉलीहाउस में हल्दी की बुवाई का प्रदर्शन किया गया। राजस्थान में सामान्यतः 1 अप्रैल से 20 अप्रैल के बीच हल्दी की बुवाई का समय निर्धारित है, लेकिन प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण किसान इसकी खेती कम करते हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय का यह प्रयोग क्षेत्र के किसानों के लिए नई संभावनाएं खोल सकता है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गीतम सिंह ने बताया कि राजस्थान मसाला उत्पादन में अग्रणी राज्य रहा है। उन्होंने कहा कि मसाला अनुसंधान केंद्र के सहयोग से विभिन्न मसाला फसलों की प्रजातियों पर लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं, ताकि स्थानीय जलवायु के अनुरूप बेहतर उत्पादन लिया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि हल्दी की फसल भी इस क्षेत्र में अच्छे परिणाम देगी। डॉ. आलोक कुमार ने पॉलीहाउस में हल्दी उत्पादन को महत्वपूर्ण नवाचार बताते हुए कहा कि प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन के तहत किसान नई फसलों को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने स्तर पर सब्जी, मसाले, अनाज और तिलहन की खेती को बढ़ावा दें, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और मिलावटी उत्पादों से बच सकें। डॉ. चिराग सोलंकी ने बताया कि पिंडवाड़ा तहसील में हल्दी की यह पहली बुवाई है, जो भविष्य में क्षेत्र में इसके रकबे को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं खेती की तैयारी, खरपतवार नियंत्रण, सिंचाई एवं उर्वरक प्रबंधन जैसे तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के शाहरुख खान, कृष्णपाल, सुधा, संतोष पारगी, प्रिती पाटीदार, वंशिका पाटीदार, उमेश बिश्नोई, अभिलाषा स्वामी, विक्रम कुमार, अंजू सैनी, समता हुड्डा, अरविंद जांगिड़, निर्मला, तनु सैनी, सुमन बिश्नोई, देव नागल, राहुल कुमार, मनीष, ओम प्रकाश, करण मीना, ज्योति सैनी, चिंतन कुमार, विकास बेनीवाल, हर्ष सुखाड़िया, चंपाराम, महावीर कुमार, नवीन कुमावत, विकास इनानिया, श्रवण चंद मीना, सचिन कुमार मीना, ललित गरासिया, निर्मला कुमारी कटारा, योगेश कुमार एवं पुखराज सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जिलेवार स्किल गैप स्टडी की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग कौशल के रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, संदीप वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिलेवार स्किल गैप स्टडी की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में PDCOR (Project Development Company of Rajasthan Limited) की टीम ने अलवर जिले से संबंधित स्किल गैप स्टडी के प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए। साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों में प्राथमिक एवं द्वितीयक डेटा संग्रहण की वर्तमान स्थिति की जानकारी भी दी गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने निर्देश दिए कि PDCOR एक समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करे, जिसमें स्पष्ट रूप से बताया जाए कि किन जिलों में सर्वे पूरा हो चुका है, किनमें कार्य जारी है और शेष जिलों में सर्वे कब तक किया जाएगा। इसके साथ ही बाकी जिलों के लिए सर्वे की शुरुआत और पूर्णता की तारीखों सहित एक स्पष्ट टाइमलाइन देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि विभिन्न सेक्टर स्किल काउंसिल्स द्वारा पहले किए गए स्किल गैप विश्लेषणों को एकत्रित किया जाए और हाल ही में पूरी हुई स्टडीज के निष्कर्षों को अंतिम रिपोर्ट में शामिल किया जाए।

पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिले में चिन्हित पंच-गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण की योजना नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने पंच-गौरव की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं ताकि युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित हो। जिला कलक्टर ने एक जिला एक खेल कबड्डी के विकास के लिए जिला खेल अधिकारी को जिले के गाँव-गाँव में खिलाड़ी एवं कोच तैयार करने के, ब्लॉक स्तर पर कबड्डी खेल को बढ़ावा देने के लिए इंडोर स्टेडियम बनवाने के निर्देश दिये।

न्युवोको ड्यूरागार्ड सीमेंट ने राजस्थान में क्रिकेट प्रीमियर लीग के फाइनल की मेजबानी की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प.लिमिटेड भारत की विश्वसनीय भवन निर्माण सामग्री निर्माता कंपनी, ने राजस्थान के नाथद्वारा स्थित मिराज स्टेडियम में न्युवोको ड्यूरागार्ड सीमेंट प्रीमियर लीग के ग्रैंड फाइनल की मेजबानी की। न्युवोको ड्यूरागार्ड सीमेंट प्रीमियर लीग एक प्रमुख डीलर एंगेजमेंट पहल है, जिसे उन चैनल पार्टनर्स के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस लीग में 64 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो इस क्षेत्र में न्युवोको के डीलर नेटवर्क की मजबूती और पहुंच को दर्शाता है। इस लीग को न्युवोको ने अनोखे तरीके से आयोजित किया था। इसमें उसके रजिस्टर्ड डीलरों ने अपनी-अपनी टीमें बनाकर खिलाड़ियों का चयन किया, जिससे उनके बीच गहरा जुड़ाव, अपनापन और भाईचारा बढ़ा। न्युवोको ड्यूरागार्ड के ब्रांड फिलॉसफी "सबसे खास" के अनुरूप, इस पहल ने डीलरों को बहुमूल्य पार्टनर्स के रूप में सम्मानित किया और उन्हें इस पूरे अनुभव के केंद्र में रखा। मैच नॉकआउट फॉर्मेट में तीन जोन-जयपुर, जोधपुर और उदयपुर-के क्लस्टर स्तर पर आयोजित किए गए। कड़े मुकाबलों के बाद, चार टीमें सेमी-फाइनल के लिए क्वालिफाई कर गईं, और दो टीमें फाइनल मैच में पहुंचीं। फाईनल मैच उदयपुर ईगल्स और जयपुर रॉयल्स के बीच हुआ। ग्रैंड फाइनल एक डे-नाइट मैच के रूप में खेला गया, जिसने प्रतिभागियों और दर्शकों, दोनों के लिए एक बेहद जोशीला और प्रोफेशनल ₹ केट जैसा अनुभव प्रदान किया। विजेता टीम, उदयपुर ईगल्स और उनके नामित न्युवोको अधिकृत डीलर को कुल 11 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन और टीम भावना की पहचान के रूप में दिया गया। इस कार्य₹ म में भारत के पूर्व ₹ केटर चेतन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी भी प्रदान की, जिससे इस आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई। इस टूर्नामेंट में विभिन्न श्रेणियों में किए गए शानदार प्रदर्शनों को भी सराहा गया, और खिलाड़ियों तथा डीलर पार्टनर्स, दोनों के लिए-आकर्षक पुरस्कार रखे गए थे। विजेता और उप-विजेता टीमों के साथ-साथ "सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज" और "सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज" जैसे व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और सेमी-फाइनल में पहुंची टीमों को भी सम्मानित किया गया। इस पहल के तहत 25 लाख रुपये से ज्यादा के ईनाम दिए गए, जिससे न्युवोको की अपने चौनल पार्टनर्स और डीलर इकोसिस्टम का सम्मान करने और उन्हें मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता और भी ज्यादा साफ हो गई। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड ने कहा कि "न्युवोको ड्यूरागार्ड सीमेंट प्रीमियर लीग बिजनेस से आगे बढ़कर, हमारे डीलर पार्टनर्स के साथ गहरे और ज्यादा सार्थक रिश्ते बनाने की एक कोशिश है। राजस्थान हमारे लिए एक अहम बाजार बना हुआ है, और इस तरह की पहलें हमें जमीनी स्तर पर अपने जुड़ाव को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। हमारे ब्रांड के वादे, 'सीधी बात है, ड्यूरागार्ड खास है' को दर्शाते हुए, न्युवोको ड्यूरागार्ड सीमेंट आधुनिक निर्माण में एडवांस्ड तकनीक, बेहतरीन गुणवत्ता और मजबूती का प्रतीक है।

तकनीकी कारणों से टला रिफाइनरी लोकार्पण, जल्द शुरू होगी रिफाइनरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा। मंत्री पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग 2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं आज रिफाइनरी पहुंचे और अंदर जाकर तकनीकी व्यवस्थाओं व बाहरी सुरक्षा इंतजामों का गहन निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कंट्रोल रूम में तैनात अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्यक्षमता की सराहना की। साथ ही, आपात स्थिति में मुस्तैदी से काम करने वाली महिला अधिकारियों के साहस और समर्पण की भी विशेष प्रशंसा की। मंत्री पटेल ने बताया कि रिफाइनरी एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है और लीकेज से हुआ नुकसान केवल एक सीमित हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

चारधाम यात्रा को लेकर चिकित्सा विभाग ने जारी की हैल्थ एडवाइजरी

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित चारधाम यात्रा के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने हैल्थ एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में यात्रा के दौरान आवश्यक तैयारी, जरूरी वस्तुएं साथ में रखने एवं स्वास्थ्य संबंधी बिन्दुओं को शामिल किया गया है। निदेशक जन-स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित तीर्थ स्थानों में यात्री का स्वास्थ्य अत्यधिक ठण्ड, कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वॉइलेट रेडिएशन, कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बताया कि यात्री अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं, वातावरण के अनुरूप ढ़लने के लिए समय दें। ट्रेक के हर एक घंटे बाद या ऑटोमोबाइल चढ़ाई के हर 2 घंटे बाद, 5-10 मिनट का ब्रेक लें। रोजाना 5-10 मिनट के लिए श्वास व्यायाम का अभ्यास एवं रोजाना 20-30 मिनट टहलना चाहिए। डॉ. शर्मा ने बताया कि वृद्धजन या हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से ग्रसित रोगी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य जांच अवश्य करवाएं।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने हेतु गौ सम्मान आह्वान अभियान शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने वैशाख मास दर्श अमावस्या महापर्व पर 59 वां गोसेवा महोत्सव श्रीराम कृपा गोधाम राष्ट्रमाता मंदिर (गौशाला) मणिपाल यूनिवर्सिटी रोड़ मानसिंहपुरा जयपुर में अपार हर्षोल्लास पूर्वक संकीर्तन करते हुए आयोजित किया गया शुरुआत में गोपुत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्री गणेश, विष्णु राधाकृष्ण पूजन, त्रिगुणात्मक शक्तिकन्या पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन, सर्वपितृ तर्पण पूजन, गोमाता पूजन, सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए सदबुदधि अनुष्ठान एवं हनुमान चालीसा का पाठ करने एवं दिव्य वेदलक्षणा गोमाता कृपा आरती के बाद गौशाला संचालक भागचंद यादव एवं नियमित गौसेवकों नये जुड़े गौसेवकों को शाल, दुपट्टा, दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया इसके बाद सभी गौसेवकों ने मिलकर गोमाता की पूजा एवं सेवा करके गुड़ केले व हरे चारे का भोग लगाकर गोशाला में वृक्षारोपण कर पेड़ों पर पंछियों के लिए पानी के परिंडे व दाना पात्र लगायें, कीड़ी नगरा, एवं अन्य सेवाएं प्रदान करने के साथ गोशाला में भक्तों ने संकीर्तन किया साथ ही इस अवसर पर गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने कार्य₹ म में उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं को आने वाली 27 अप्रेल सोमवार को गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने का दर्जा दिलाने के लिए गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम संबंधित तहसील अधिकारी को ज्ञापन देने का आह्वान किया।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

प्रदेश में महिलाओं को कृषि क्षेत्र में उन्नत एवं सशक्त बनाने के लिए मिलेगा प्रशिक्षण

प्रत्येक ग्राम पंचायत में होंगे कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं खेती किसानी से लेकर पशुपालन, रोपाई, निराई, गुड़ाई, कटाई और भंडारण तक लगभग हर कार्य में सक्रिय योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में महिलाओं की कृषि में भागीदारी बढ़ाने और नवीन कृषि तकनिकों की जानकारी देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर महिला प्रशिक्षणों का आयोजन किया जायेगा। पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में 11 हजार 019 महिला कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 3 लाख 30 हजार 570 महिला कृषकों को लाभान्वित किया गया है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि प्रशिक्षण में लघु-सीमान्त, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिला कृषकों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि ग्राम स्तर पर महिला कृषक नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी ले कर उत्पादन में वृद्धि कर सके।

ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजन

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाएगा। प्रशिक्षण स्थल का चयन उस गाँव से किया जाएगा, जहाँ पिछले दो वर्षों में इस प्रकार का कोई प्रशिक्षण आयोजित नहीं हुआ हो, ताकि महिला कृषकों में प्रशिक्षण की नवीनता बनी रहे और पुनरावृत्ति न हो। आयुक्त कृषि ने बताया कि प्रशिक्षण कार्य₹ म में फसलों के बीज उत्पादन तकनीक, मृदा एवं जल परीक्षण का महत्व, नमूनों का संकलन एवं उपयोग, सन्तुलित उर्वरक प्रबंधन, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती व जैविक खाद बनाने की विधियों पर गहन चर्चा एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन, वर्षा जल संरक्षण, शुष्क खेती एवं फसलों की क्रांतिक अवस्था पर समयानुसार सिंचाई, बूंद-बूंद (ड्रिप), फव्वारा सिंचाई एवं पाईप-लाइन, डिग्गी निर्माण से पानी का कुशल उपयोग; खरपतवार व कीटों का वैज्ञानिक नियंत्रण, उन्नत फसल किस्में, बीज प्रतिस्थापन दर बढ़ाने की विधियाँ, जैविक तथा रासायनिक खेती में संतुलन बनाने की तकनीकें का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त भागीदारों को विभागीय योजनाओं के लाभ, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन आदि से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी।

ज्ञान परीक्षण व प्रशिक्षण उपरान्त रिपोर्टिंग

प्रशिक्षण में प्रत्येक महिला कृषक की ज्ञानार्जन परख के लिए वस्तुनिष्ठ प्रशिक्षण-परीक्षण (Test) आयोजित किया जाएगा। परीक्षण के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को किसान टार्च, लोहे की बाल्टी, तश्ला, डोल्ची, खाद-बीज या अन्य उपयोगी कृषि सामग्री जैसे पुरस्कार दिए जाएँगे। प्रशिक्षण में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, महिला बाल विकास विभाग, राजीव गांधी सेवा केन्द्र (राजीविका) के बीपीएम, ग्राम स्तरीय कृषि/पशु सखी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही प्रगतिशील कृषकों को आमंत्रित कर उनके अनुभवों को मंच पर रखा जाएगा।

महिला कृषकों की आत्मनिर्भरता बढ़ाना

नरेश कुमार ने बताया इस कृषक महिला प्रशिक्षण योजना का उद्देश्य न केवल तकनीकी ज्ञान देना है, बल्कि महिला कृषकों को विभागीय योजनाओं, अनुदान प्रक्रिया तथा वैज्ञानिक खेती से जोड़कर आर्थिक स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ावा देना है। राज्य सरकार द्वारा सतत खेती, जल-संरक्षण और जैविक खेती के माध्यम से महिला कृषकों को खाद्य-सुरक्षा एवं जलवायु अनुकूल खेती में नया नेतृत्व-स्तर बनाने के

सम्पादकीय

बराबरी की तस्वीर उकेरी

लोकतंत्र के हर मोड़ पर कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो केवल कानून नहीं बनाते, बल्कि बदलाव की उम्मीद गढ़ते हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण के साथ बराबरी की तस्वीर उकेरी गई। दिल्ली में संसद में यह बिल सरकार पास नहीं करवा पाई। इससे पहले कहा गया कि यह इतिहास बदलने वाला कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल सीट मिल जाने से सत्ता में वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो जाती है?

राजस्थान प्रदेश इस प्रश्न से पहली बार नहीं जूझ रहा। इसका जवाब उसके इतिहास में पहले से अंकित है। रानी पद्मिनी, मीराबाई और हाड़ी रानी जैसी स्त्रियों ने किसी आरक्षण या कानून के सहारे नहीं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और निर्णायक क्षमता से अपनी जगह बनाई। आजादी के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी सीमित रही है। जब आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से भागीदार नहीं होती, तो लोकतंत्र का संतुलन डगमगा जाता है। ऐसे में यह विधेयक महिलाओं के लिए एक नया द्वार खोलता है, ताकि वे निर्णय लेने की टेबल पर समान हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकें। लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष चुनौतीपूर्ण है। राजस्थान में पंचायतों और नगरीय निकायों में वर्षों से 50 प्रतिशत आरक्षण लागू है और बड़ी संख्या में महिलाएं निर्वाचित होकर आई हैं। इसके बावजूद सरपंच पति, पार्षद पति और महापौर पति जैसी प्रवृत्तियां व्यापक हैं। पद महिला का होता है, लेकिन निर्णय किसी और के हाथ में रहता है। कई महिला प्रतिनिधियों ने स्वयं स्वीकार किया है कि सामाजिक दबाव और पारिवारिक सीमाओं के कारण वे स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पातीं। वास्तविक सत्ता तब है, जब निर्णय लेने का अधिकार उसी के पास हो।

दरअसल, यह कानून जनता से पहले राजनीतिक दलों की चौखट से होकर गुजरना चाहिए था। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके की पहला बदलाव दलों के भीतर होना चाहिए। उन्हें अपने संगठनात्मक ढांचे, कार्य संस्कृति और राजनीतिक दृष्टिकोण में ऐसा परिवर्तन लाना होगा, जहां महिलाओं के लिए सम्मानजनक और प्रभावी भूमिका सुनिश्चित हो। आज भी समाज के अनेक परिवार राजनीति से दूरी बनाए रखते हैं, क्योंकि दलों के भीतर की अव्यवस्था उन्हें हतोत्साहित करती है। साथ ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन महिलाओं पर भी आती है, जो पहले से राजनीति में उच्च पदों पर आसीन हैं। यदि वे आगे बढ़कर यह संदेश दें कि राजनीति में महिलाओं की भूमिका केवल औपचारिक उपस्थिति भर की नहीं, बल्कि निर्णायक भागीदारी की है, तो बदलाव की गति और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। राजनीति ही वह मंच है, जो लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को संतुलित और संवेदनशील बनाएगी। ऐसे में यह कानून एक अहम पहल माना गया है, हालांकि अंतिम समाधान नहीं। असली सत्ता तभी होगी जब स्त्री केवल बैठे नहीं बल्कि निर्णय ले, दिशा तय करे और अपनी शर्तों पर नेतृत्व करे। दरवाजा खुल चुका है; अब असली परीक्षा यह है कि भीतर की कुर्सी पर हक भी स्त्री का होगा, या वह अब भी किसी और के नाम दर्ज रहेगी। इसके उलट विपक्ष ने स्त्री शब्द की आड़ में सत्ता पर राजनीति करने का आरोप लगाया। यह 12 वर्षों में पहली बार हुआ है कि सत्ताधारी पार्टी द्वारा लाया गया बिल विपक्ष के विरोध के बीच पास नहीं हुआ।

संसद के उथल-पुथल भरे राजनीतिक माहौल में सरकार का बाद वाला प्रस्ताव जो मूल मसौदे में नहीं था, दब गया। उसमें लोक सभा की सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ाकर 543 से 850 करने की बात थी, जिससे राज्यों के बीच सीटों का अनुपात नहीं बदलता।

लोक सभा में 131वां संशोधन विधेयक ढेर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राहुल भारद्वाज
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> 131वें संशोधन की हार ने महिला आरक्षण और परिसीमन के बीच गहरे मतभेद उजागर किए हैं। दक्षिण राज्यों के विरोध और विपक्ष की एकजुटता ने इसे विफल कर दिया

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 की लोक सभा में पराजय, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की 12 वर्षों में पहली ऐसी हार है। इस हार ने सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच विश्वास में कमी की गहराई को रेखांकित किया। लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में एक-तिहाई सीटों के लिए महिलाओं को आरक्षण प्रदान करने तथा साथ ही निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रस्ताव रखने वाले इस विधेयक को पेश किए जाने के दौरान विपक्षी दलों ने अभूतपूर्व एकता का प्रदर्शन किया। इसके समर्थन में 298 मत पड़े जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 352 वोटों की आवश्यकता थी।

संसद के विशेष सत्र के माध्यम से जल्दबाजी में पेश किया गया यह विधेयक राजनीति से प्रेरित प्रतीत हुआ ताकि 2029 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण को तेजी से लागू किया जा सके और सत्ताधारी दल को चुनावी विमर्श को नियंत्रित करने का मौका मिल सके। परंतु विधेयक को परिसीमन से जोड़कर सरकार ने राजनीतिक माहौल का गलत आकलन किया। यह इस बात को दर्शाता है कि संविधान संशोधन से पहले पारंपरिक रूप से होने वाले संवाद और सहमति निर्माण की कमी रही।

वर्तमान विधान सभा चुनावों के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने और विस्तृत जानकारी प्रदान करने की मांग कथित तौर पर नजरअंदाज कर दी गई। दक्षिण भारत के राज्यों ने अक्सर अपने बेहतर मानव विकास सूचकांकों से लाभ न मिलने पर गहरा असंतोष प्रकट किया है। उदाहरण के लिए वित्त आयोग की शर्तें तय करते वक्त। ऐसे में सरकार को भी ठहरकर सोचना चाहिए था। खासतौर पर तब जबकि संसद में सत्तारूढ़ दल के पास पर्याप्त संख्या नहीं थी।

वर्ष 2023 में महिलाओं को आरक्षण देने संबंधी 106वां संविधान संशोधन लगभग सर्वसम्मति से पारित हो गया था। हालांकि, इस अधिनियम में कहा गया था कि यह आरक्षण तभी लागू होगा जब अधिनियम के प्रवर्तन के बाद पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन की कवायद पूरी हो जाएगी। वर्तमान जनगणना की संदर्भ तिथि मार्च 2027 है। ऐसे में इस बात की संभावना बहुत कम थी कि परिसीमन की प्रक्रिया 2029 के आम चुनावों के पहले पूरी हो सके। 131वें संविधान संशोधन का उद्देश्य संसदीय सीमाओं पर लगे उस प्रतिबंध को हटाना था, जो 2001 के संविधान संशोधन के माध्यम से लागू की गई थीं और 2026 की जनगणना तक कायम रहने वाली थीं। इस संशोधन के जरिये 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को अंजाम दिया जाना था। यद्यपि प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें देना निर्विवाद सिद्धांत है, लेकिन विधेयक पर गहराई से नजर डालने पर प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण प्रतीत होती है।

उदाहरण के लिए, संविधान के अनुच्छेद 81 और 82 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन किया जाएगा और यह नवीनतम जनगणना पर आधारित होगा। नवीनतम विधेयक ने संसद को यह अधिकार दिया कि वह परिसीमन का समय-निर्धारण और किस जनगणना का उपयोग करना है, तय करे, और ये निर्णय साधारण बहुमत से लिए जाएंगे।

वर्तमान सरकार के पास ये दोनों हैं। यह समस्या इसलिए आई क्योंकि नवीनतम विधेयक ने अगला परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर करने की इजाजत दी। वर्तमान हालात के आधार पर दक्षिण भारत के राज्यों की सीटों की संख्या और हिस्सेदारी दोनों में कमी आती जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों को लाभ मिलता।

संसद के उथल-पुथल भरे राजनीतिक माहौल में सरकार का बाद वाला प्रस्ताव जो मूल मसौदे में नहीं था, दब गया। उसमें लोक सभा की सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ाकर 543 से 850 करने की बात थी, जिससे राज्यों के बीच सीटों का अनुपात नहीं बदलता।

जहां सत्तारूढ़ दल और विपक्षी नेता स्त्री-पुरुष समानता के प्रति प्रतिबद्धता या उसकी कमी पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, वहीं सच्चाई यह है कि महिलाओं का आरक्षण केवल एक साधन है, लक्ष्य नहीं। अन्य सशक्तीकरण उपाय, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरियों में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए कठिन परिश्रम शामिल है, भारतीय महिलाओं को वास्तव में उनके संसदीय गौरव हासिल करने में बहुत मदद करेंगे, बजाय इसके कि वे केवल सकारात्मक कार्रवाई पर निर्भर रहें।

आखर-आखर झरे उजियार

रंगभेद से संघर्ष के पर्याय और उदारता की प्रतिमूर्ति नेल्सन मंडेला

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हिंसा पर अहिंसा की जीत कैसे हो और नफ़रत को प्यार के रिश्ते में कैसे रूपान्तरित किया जाय, इसकी कला हम नेल्सन मंडेला जीवन से सीख सकते हैं। वो रंगभेद नीति के विरुद्ध लड़ने वाले अप्रतिम योद्धा थे। उदारता और क्षमाशीलता की प्रतिमूर्ति थे।

ये बात है दक्षिण अफ्रीका की संसद की। देश का संविधान निर्मित होने जा रहा था।राबिन द्वीप में कई बरसों तक कारावास के बाद मंडेला दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बन चुके थे। वो हेलिकाप्टर से संसद पहुँचे। मंडेला वहां मंच से सांसदों और अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उसी समय उनकी नज़र भीड़ में एक तरफ़ खड़े क्रिस्टो ब्रांड पर पड़ी।यह व्यक्ति कोई और नहीं, राबिन द्वीप की जेल का वो वार्डन था जो मंडेला की कारावास के दौरान वहां तैनात रहा। उन्होंने ब्रांड को बुलवाया और परिचय कराते हुए बोले, आप जानते हैं ये व्यक्ति कौन है?ये व्यक्ति मेरे जेलर हैं। जेल में मेरे मित्र थे।

ये सुन कर मौजूद जन समुदाय में सन्नाटा छा गया। जब मंडेला जेल की यातना भुगत रहे थे, तब ये शख्स उन पर कड़ी निगरानी रखते थे।उनके प्रति उत्पीड़क जैसा व्यवहार किया करते थे। परंतु धीरे धीरे वो मंडेला से इस कदर प्रभावित हो गए कि वो खास दोस्त बन गए। फिर तो मित्रता ऐसी हो गई वो मंडेला के लिए जेल में चुपचाप ब्रेड और उनकी चाहत अनुसार वस्तुएँ लाकर देने लगे। यहां तक कि मंडेला की नवजात पोती को उनसे मिलवाने ले आया ताकि वो उसे प्यार दुलार दे सके। राष्ट्रपति बन जाने के बाद भी अपनी मित्रता को इतने बड़े मंच से स्वीकार करना मामूली बात नहीं है।

क्रिस्टो ब्रांड ने अपनी किताब 'मंडेल : माई प्रिजनर' में संसद के उन पलों का ज़िक्र करते हुए लिखा है कि नेल्सन मंडेला महान शख्सियत है, जिसने मुझे गर्व और सम्मान से भर दिया। भारत सरकार ने नेल्सन मंडेला को वर्ष 1990 में भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। यह एक ऐतिहासिक निर्णय था, जब इस सम्मान के लिए गैर भारतीय खान अब्दुल गफ्फार खान के बाद दूसरे महापुरुष को चुना गया।

दबे और कुचले हुए लोगों के अधिकारों के निमित्त और रंगभेद के खिलाफ़ संघर्ष के लिए उन्हें यह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। मानवता पर आधारित अहिंसक संघर्ष के लिए उनकी पहचान गांधी जैसी हो गई। महात्मा गांधी के अहिंसावादी आचरण से प्रेरित इस व्यक्ति को अफ्रीका का गांधी भी कहा जाता है।

एआई के नए युग में संचालन-नियमन ढांचा जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संतोष मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

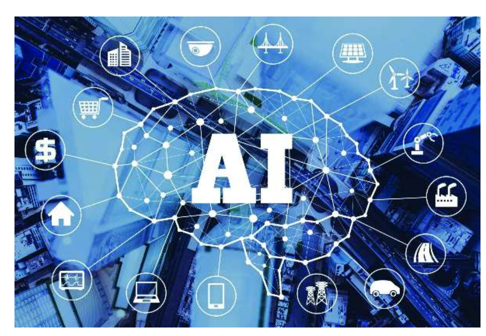

हाल ही में क्लॉड मिथोस प्रिव्यू (सीएमपी) की प्रस्तुति और उसकी निर्माता एंथ्रोपिक का नए मॉडल तक पहुंच को सीमित करने का निर्णय आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमता में गुणात्मक छलांग और उन क्षमताओं से उत्पन्न नए अवसरों और खतरों को उजागर करता है। सीएमपी स्वायत्त रूप से सभी प्रकार के सॉफ्टवेयर का अंकेक्षण कर सकता है, जिसमें ऑपरेटिंग सिस्टम और पुराने प्रोग्राम शामिल हैं। यह अभूतपूर्व पैमाने पर बग और कमजोरियों की पहचान कर सकता है और जानकारी दी गई है कि इसने आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले ऑपरेटिंग सिस्टम में हजारों अज्ञात खामियों की खोज की। सैद्धांतिक रूप से इसे व्यापक पैमाने पर ऐसी कमियों को दूर करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। इसे नए प्रोग्रामों का पूर्वावलोकन और अंकेक्षण करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे बग-रहित और सुरक्षित हों। जब एंथ्रोपिक को इस नए मॉडल की क्षमताओं का अंदाजा लगा तो उसने यह स्वीकार किया कि इस नए मॉडल को सामान्य रूप से जारी करना बहुत खतरनाक हो सकता है। अब सीएमपी तक पहुंच कुछ सीमित संगठनों के समूह तक प्रतिबंधित रखी गई है और इसे प्रोजेक्ट ग्लासविंग नाम दिया गया है। ग्लासविंग के अधीन एंथ्रोपिक, ऐपल, ब्रॉडकॉम, सिस्को, क्राउडस्ट्राइक, गूगल तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अन्य कंपनियां मिलकर सीएमपी का परीक्षण और इस्तेमाल करेंगी लेकिन इस मॉडल को आम लोगों के लिए नहीं खोला जाएगा। केंद्रीय बैंक और सरकारी संस्थाएं भी इस मॉडल तक पहुंच सकती हैं।

यह चिंता का कारण हो सकता है क्योंकि सरकारें साइबर युद्ध में संलग्न होती हैं। यह सावधानी संकेत देती है कि अब एआई उन संकीर्ण तकनीकी श्रेणियों में आती है जिनके लिए केवल नियम ही नहीं बल्कि कठोर शासन संरचनाएं और पहुंच प्रतिबंध आवश्यक हैं। जैसे परमाणु ऊर्जा, विमानन और कुछ सैन्य तकनीकों के साथ होता है, सीएमपी के बड़े पैमाने पर उपयोग से पहले सुरक्षा, नियंत्रण और निगरानी स्थापित की जानी चाहिए। सीएमपी सॉफ्टवेयर उद्योग के काम करने के तरीके को बदल देता है। भविष्य में, साइबर सुरक्षा केवल बुरे तत्वों से सिस्टम की रक्षा करने तक सीमित नहीं रहेगी। यह मूल रूप से एआई के प्रबंधन और नियंत्रण का विषय बन जाएगी, जो स्वायत्त रूप से कमजोरियों की खोज और उनका दोहन कर सकती है। सिस्टम को बग रहित करने का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। कोड को इंसान द्वारा पंक्ति दर पंक्ति देखकर कभी-कभी बग ढूंढने और उसे पैच या एक्सप्लॉइट करने के बजाय, सीएमपी एक सप्ताह में पूरे ऑपरेटिंग सिस्टम की 50 लाख बार समीक्षा कर सकता है। नए प्रतिमान में बग तलाश करना अब कोई बड़ी समस्या नहीं रह गई है।

इस गति और पैमाने पर साइबर सुरक्षा पूरी तरह एआई की तैनाती पर आधारित होगी। हमला और रक्षा दोनों एआई द्वारा किए जाएंगे और गणनात्मक शक्ति के माध्यम से बढ़ाए जाएंगे। इस प्रकार एंथ्रोपिक अचानक दुनिया की सबसे महत्त्वपूर्ण साइबर सुरक्षा कंपनियों में से एक हो गई है, जो पूरी तरह एक नई भूमिका में है। आईटी उद्योग हमेशा 'बीटा' सॉफ्टवेयर जारी करता रहा है और प्रदर्शन तथा सुरक्षा सुधारने के लिए उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया की समीक्षा करता रहा है। वह भी बदल गया है।

प्रोजेक्ट ग्लासविंग संकेत देता है कि नए एआई मॉडलों को अब कठोर परीक्षण और प्रमाणन से गुजरना चाहिए और निरंतर निगरानी का सामना करना चाहिए, बजाय इसके कि उन्हें 'जैसा है' वैसे ही इस्तेमाल कर लिया जाए। ऐसा करने से क्षमताएं और खामियां तलाशने में मदद मिलेगी। स्पष्ट खतरों के कारण यही तरीका विमानन क्षेत्र में भी अपनाया जाता है। सीएमपी ने यह भी दिखाया है कि नए मॉडल्स और सॉफ्टवेयर को खामियों के लिए जल्दी और सघन तरीके से परखा जा सकता है। प्रबंधन सिद्धांतकार इसे प्रत्याशित पूर्व शासन की ओर एक कदम कहेंगे, और ग्लासविंग परियोजना सहयोगियों को केवल तकनीकी प्रदाता के बजाय जोखिम प्रबंधकों के रूप में पुनर्स्थापित करती है। एक और गहरी और व्यापक चिंता व्यवस्थागत है। हर क्षेत्र और उद्योग सीएमपी या किसी समान मॉडल के प्रति संवेदनशील है। अब एआई डेवलपर्स, सुरक्षा शोधकर्ताओं, नियामकों और उद्योगों को सहयोग करना होगा। चूंकि सीएमपी का आगमन हो चुका है इसलिए जल्द ही अन्य स्थानों पर भी समान मॉडल विकसित किए जाएंगे।

ओपिनियन

परशुराम का फरसा नये युग का उदय करने आया था...

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

क्या आप उस योद्धा को जानते हैं जिसने 21 बार पृथ्वी को 'रिसेट' किया, पर कभी खुद के लिए एक इंच जमीन नहीं मांगी? क्या आप उस महानायक की शक्ति को पहचानते हैं, जिसने सत्ता के अहंकार को कुचलने के लिए 'सर्जिकल स्ट्राइक' की, लेकिन अपना पूरा साम्राज्य एक पल में दान कर दिया? दुनिया ने उन्हें 'क्रूर' कहा, इतिहास ने 'जातिवादी' का ठप्पा लगाया, लेकिन सच यह है कि हम आज भी उस 'कॉस्मिक कोड' को नहीं पढ़ पाए जो परशुराम जी ने अपने फरसे (परशु) की नोंक पर लिखा था। आज उनके जन्मोत्सव पर, आइए उन रहस्यों से पर्दा उठाते हैं जिन्हें समझने की हिम्मत सदियों से किसी ने नहीं की। आज परशुराम जन्मोत्सव है। उस परम तेजस्वी, अजेय योद्धा का दिन, जिन्हें हम 'विष्णुजी के अवतार' के रूप में पूजते हैं। लेकिन क्या हम सचमुच उन्हें जानते हैं? या हम केवल उस अधूरी और विकृत कहानी को जानते हैं जो सदियों से हमें सुनाई जा रही है? एक समय ऐसा आया था जब राजाओं ने अपनी तलवारें अपनी ही प्रजा पर तान दी थीं। जब एक क्षत्रिय 'रक्षक' न रहकर 'भक्षक' बन जाए, तो वह 'क्षत्रिय' नहीं रहता, वह सिर्फ एक 'खतरा' बन जाता है। परशुराम जी ने उन्हें 'क्षत्रिय' के तौर पर नहीं, बल्कि 'खतरे' के तौर पर काटा। उन्होंने अपना परशु उठाया और 'सर्जिकल स्ट्राइक' शुरू की। उन्होंने किसी जाति को नहीं मिटाया, उन्होंने उस 'पावर-करप्शन' (सत्ता के भ्रष्टाचार) को खत्म किया जो मानवता की नींव को गला रहा था। आइए, आज उस 'नैरेटिव' को ध्वस्त करते हैं जिसने भगवान परशुराम को केवल एक क्रोधी और 'क्षत्रिय-विनाशक' के रूप में सीमित कर दिया। आज हम शास्त्रों के उन गुप्त तहखानों में उतरेंगे और उन श्लोकों की कोडिंग को डिकोड करेंगे, जिन्हें आज तक कोई सही से खोल नहीं पाया है। यह कहानी पानी की तरह बहेगी, और आपको आनंद के महासागर में डुबो देगी।

श्रीमद् भागवत महापुराण में वह श्लोक, जो अक्सर गलत संदर्भ में उद्धृत किया जाता है, वह यह हैः-

> त्रिःसप्तकृत्वः पृथिवीं कृत्वा निःक्षत्रियां प्रभुः।
> समन्तपंचके चक्रे शोनितोदान् हदान् नृप ॥
> (श्रीमद्भागवत महापुराण, 9.16.19)

सतही अर्थ (जिसे सब जानते हैं): प्रभु (परशुराम) ने पृथ्वी को इक्कीस बार क्षत्रियहीन कर दिया और कुरुक्षेत्र (समन्तपंचक) में खून के पाँच कुण्ड बना दिए।

यह वह नैरेटिव है जो हमें डराता है, जो परशुराम जी को एक निर्दयी हत्यारा बनाता है। लेकिन, क्या यह सत्य है? क्या भगवान विष्णु का एक अवतार ऐसा कर सकता है? कतई नहीं! यह 'शाब्दिक अर्थ' है, 'भावार्थ' नहीं। आइए, इस श्लोक की 'कोडिंग' को डिकोड करें और एक उनका वास्तविक चेहरा देखें।

अब सत्य समझिए : 'निःक्षत्रियां' का अर्थ "क्षत्रिय जाति का खात्मा" नहीं, बल्कि "अहंकारी सत्ता का खात्मा" है। इसे एक उदाहरण से समझिए। 'क्षत्रिय' का असली अर्थ 'पद' है, न कि 'जाति'। उस समय 'क्षत्रिय' का अर्थ था 'शासक वर्ग' (Governing Class)। जिसका धर्म था–प्रजा की रक्षा करना और न्याय करना। जब तक वे न्याय करते थे, वे क्षत्रिय थे। लेकिन जैसे ही वे अहंकारी होकर प्रजा को लूटने लगे, वे अपने 'क्षत्रिय धर्म' से गिर गए। उन्होंने क्षत्रिय होने का हक खो दिया।

'निःक्षत्रियां' का मतलब क्या?

परशुराम जी ने 'निःक्षत्रियां' किया, इसका मतलब है–"पृथ्वी को उन अधर्मी शासकों से मुक्त किया जो क्षत्रिय होने की मर्यादा भूल चुके थे।" जैसे कोई डॉक्टर कहे कि "मैं इस शरीर को कैंसर-मुक्त कर दूँगा," तो क्या इसका मतलब यह है कि वह शरीर को ही मार देगा? नहीं! वह केवल 'कैंसर' (अधर्मी शासकों) को काटेगा ताकि शरीर (समाज) बच सके। परशुराम जी ने वही किया। उन्होंने 'भ्रष्ट सत्ता' को हटाया ताकि 'धर्म' जीवित रह सके। वामपंथी इसे 'जाति युद्ध' कहते हैं। आप उनसे बस ये 3 सवाल पूछिए, उनका नैरेटिव उसी पल ध्वस्त हो जाएगाः

सवाल 1: अगर यह जाति युद्ध होता, तो परशुराम जी ने 'भीष्म पितामह' और 'द्रोणाचार्य' जैसे क्षत्रियों को अपना सर्वश्रेष्ठ शिष्य क्यों बनाया? क्या कोई जातिवादी दुश्मन को विद्या सिखाता है?

सवाल 2: यदि वे 'क्षत्रिय विरोधी' होते, तो वे युद्ध जीतने के बाद खुद राजा क्यों नहीं बने? उन्होंने पूरी पृथ्वी दान कर दी और तपस्वी बन गए। एक 'सत्ता-लोभी' व्यक्ति ऐसा कभी नहीं करेगा।

सवाल 3: क्या 'राम' क्षत्रिय नहीं थे? परशुराम जी ने तो अपना धनुष भगवान राम को सौंप दिया। जो व्यक्ति क्षत्रियों को मिटाना चाहता था, वह एक क्षत्रिय राजा को सबसे बड़ी शक्ति (धनुष) क्यों सौंपता?

'निःक्षत्रियां' का मतलब है–"जब राजधर्म विफल हो जाए, तो अधर्मियों को सत्ता से उखाड़ फेंकना ही धर्म है।" परशुराम जी ने यह साबित किया कि सत्ता चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, वह 'धर्म' (न्याय) से ऊपर नहीं है। उन्होंने क्षत्रिय को नहीं मारा, उन्होंने 'अधर्म' को मारा। 'निःक्षत्रियां' का अर्थ है–अन्यायी शासक विहीन पृथ्वी। कल्पना कीजिए एक ऐसे योद्धा की, जिसके हाथ में केवल एक 'परशु' (कुल्हाड़ी) है, लेकिन उसकी आँखें 'काल' (Time) के उस पार देख रही हैं। वह न तो राजा बनना चाहता है, न उसे सिंहासन का लोभ है। वह सिर्फ एक 'सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर' है, जो इस ब्रह्मांड के 'अधर्म' नामक वायरस को डिलीट करने आया है। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि उस काल में 'क्षत्रिय' कोई 'जाति' नहीं थी। यह एक 'वर्ण' था, एक 'कर्तव्य' था–समाज की रक्षा करना। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो क्या वह 'क्षत्रिय' कहलाने लायक रहता है? यह कोई नरसंहार नहीं था। यह एक 'सिस्टम रिबूट' था। उस समय के शासक, राजा कार्तवीर्य अर्जुन और उसके वंशज, सत्ता के अहंकार में चूर होकर आम जनता पर अत्याचार कर रहे थे। उन्होंने निर्दोष तपस्वी ऋषियों की हत्या की (जैसे परशुराम जी के पिता, महर्षि जमदग्नि), कामधेनु गाय का अपहरण किया। यह एक 'अराजक सत्ता' थी।

परशुराम जी ने 21 बार पृथ्वी को 'निःक्षत्रिय' किया–इसका मतलब यह है कि उन्होंने 21 बार उन अहंकारी, अत्याचारी राजाओं को सत्ता से बेदखल किया। यह किसी वंश या जाति का विनाश नहीं था, बल्कि 'अधर्मी सत्ता' का विनाश था। जब एक सॉफ्टवेयर करप्ट हो जाता है, तो आपको उसे 'डिलीट' करके 'सिस्टम रिबूट' करना पड़ता है। परशुराम जी उस काल के 'चीफ आर्किटेक्ट' थे, जिन्होंने करप्टेड सत्ता-सॉफ्टवेयर को 'डीबग' किया।

पंचांग

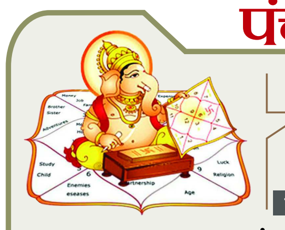

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 22/04/2026

सूर्योदय : 06:00 **सूर्यास्त** : 18:50 **चन्द्रोदय** : 09:55 **चन्द्रास्त** : 24:31 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत्** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : वैशाख **पूर्णिमांत** : वैशाख **सूर्य राशि** : मेष **चन्द्र राशि** : मिथुन **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : षष्ठी, 22:54 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आर्द्रा, 22:15 तक
योग : अतिगंदा, 09:08 तक
प्रथम करण : कौवाला, 12:05 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 22:54 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:21 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:43 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:50 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:51 पी एम से
अमृत काल	12:57 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:57 पी एम से
रवि योग	05:49 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:59 - 07:35	उद्वेग : 18:49 - 20:13
अमृत	: 07:35 - 09:12	शुभ : 20:13 - 21:37
काल काल वेला	: 09:12 - 10:48	अमृत : 21:37 - 23:00
शुभ	: 10:48 - 12:24	चर : 23:00 - 00:24
रोग वार वेला	: 12:24 - 14:01	रोग : 00:24 - 01:47
उद्वेग	: 14:01 - 15:37	काल : 01:47 - 03:11
चर	: 15:37 - 17:13	लाभ : 03:11 - 04:35
लाभ	: 17:13 - 18:49	उद्वेग : 04:35 - 05:58

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, शुक्ल, षष्ठी, 2083 बुधवार, 22 अप्रैल - 28 अप्रैल, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो, ना, नी, नू, या, यी, यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

जयपुर शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और अव्यवस्थित ई-रिक्शा संचालन पर लगाम लगाने के लिए कवायद

ई-रिक्शा पर QR का डिजिटल ट्रैप, एक जुलाई से जोन से बाहर निकले तो कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और अव्यवस्थित ई-रिक्शा संचालन पर लगाम लगाने के लिए अब बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस, यातायात और परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा के लिए डिजिटल मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। पूरे शहर को सात जोन में बांटकर ई-रिक्शा का संचालन किया जाएगा। नई व्यवस्था की प्रक्रिया 3 मई से शुरू होगी। 3 मई से 15 जून तक ई-रिक्शा चालकों से क्यूआर कोड के लिए आवेदन लिए जाएंगे। 16 जून से 30 जून तक पात्र चालकों को क्यूआर कोड जारी होंगे और 1 जुलाई से शहर में जोनवार संचालन लागू कर दिया जाएगा।

5 साल से कवायद, अब उम्मीद

गौरतलब है कि पिछले पांच साल से ई-रिक्शा को जोनवार संचालित करने की कवायद चल रही थी, लेकिन योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। इस बार राजधानी में व्यवस्थित संचालन का दावा किया जा रहा है।

25 हजार ई-रिक्शा बाहर होंगे

क्यूआर कोड पाने के लिए चालकों को आरसी, बीमा, फिटनेस प्रमाण पत्र, स्थायी लाइसेंस और आधार कार्ड जमा करना होगा। यही सबसे बड़ी चुनौती है। फिलहाल जयपुर में करीब 3,000 ई-रिक्शा चालकों के पास केवल लर्निंग लाइसेंस है, जबकि मात्र 700 चालकों के पास स्थायी लाइसेंस है। ऐसे में हजारों चालकों को 3 मई से पहले स्थायी लाइसेंस बनवाने की दौड़ लगानी होगी, वरना आवेदन नहीं कर पाएंगे। बिना लाइसेंस, फिटनेस, बीमा और आधार कार्ड पेश न करने वाले करीब 20 से 25 हजार ई-रिक्शा का सिस्टम से बाहर होना तय है।

हर जोन में संचालन समिति

व्यवस्था को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए हर जोन में संचालन समिति गठित होगी। इसमें ई-रिक्शा चालक प्रतिनिधि, आरटीओ अधिकारी और यातायात पुलिस के अफसर शामिल होंगे। समिति अपने जोन में अनुशासन बनाए रखेगी। परकोटे की तर्ज पर पूरे शहर को 7 जोन में बांटा जाएगा। आवेदन के समय चालक अपनी पसंदीदा जोन की च्वॉइस देंगे और उसी जोन में संचालन की अनुमति मिलेगी।

तीन चरणों में लागू होगी व्यवस्था

- **3 मई से 15 जून** : क्यूआर कोड के लिए ऑनलाइन आवेदन
- **16 जून से 30 जून** : पात्र चालकों को क्यूआर कोड जारी
- **1 जुलाई से आगे:** सात जोन में विभाजित होकर ई-रिक्शा का संचालन

संभावित फायदे

- जोनवार संचालन से ई-रिक्शा की अव्यवस्था पर नियंत्रण मिलेगा।
- बाहरी राज्यों के वे चालक, जिनके पास जयपुर का आधार कार्ड नहीं है, सिस्टम से बाहर हो जाएंगे।
- ई-रिक्शा मुख्य सड़कों के बजाय छोटी और अंदरूनी सड़कों पर संचालित होंगे, जिससे ट्रैफिक जाम में कमी आएगी।

डिजिटल ट्रैकिंग से पारदर्शिता

क्यूआर कोड आधारित इस सिस्टम से ई-रिक्शा की डिजिटल पहचान होगी। किसी भी वाहन की जानकारी, रूट और चालक का विवरण आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा। यातायात नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई संभव होगी। यदि कोई ई-रिक्शा दूसरे जोन में गया तो क्यूआर कोड स्कैन कर उसकी पहचान हो जाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर शहर में ई-रिक्शा का डिजिटल मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी की जा रही है। आवेदन से लेकर नई प्रणाली से संचालन तक की रूपरेखा तय कर ली गई है।
राजेन्द्र सिंह शेखावत, आरटीओ-प्रथम, जयपुर

रीको की पहल, उद्योगों के बीच मिलेगी खेल सुविधाएं, 17 औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमियों और कामगारों के लिए एक नई और सराहनीय पहल की है। "वर्क से वेलनेस" की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अब रीको औद्योगिक क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास की योजना लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य कामगारों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण तैयार करना और उत्पादकता में वृद्धि करना है।

यहां मिलेंगी सुविधाएं

जयपुर के बगरू छितरौली, अपैरल पार्क, सीतापुरा तृतीय चरण और भिवाड़ी द्वितीय सहित कई प्रमुख क्षेत्रों को इस योजना में शामिल किया गया है। इसके अलावा कोटा, सवाई माधोपुर, आबूरोड, नागौर, पाली, किशनगढ़, झुंझुनूं, बीकानेर, बोरानाडा, श्रीगंगानगर, सीकर और अजमेर जैसे शहरों के औद्योगिक क्षेत्रों में भी यह सुविधा विकसित की जाएगी ।

कार्यस्थल के पास खेल और फिटनेस की सुविधाएं मिल सकेंगी

अब तक औद्योगिक क्षेत्रों में कामगारों का अधिकांश समय मशीनों और उत्पादन कार्यों में ही व्यतीत होता था, लेकिन नई पहल के तहत उन्हें अपने ही कार्यस्थल के पास खेल और फिटनेस की सुविधाएं मिल सकेंगी। रीको ने राज्य के 17 प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में इसके लिए भूमि चिन्हित कर ली है, जहां स्पोर्ट्स फैसिलिटी सेंटर विकसित किए जाएंगे ।

1000 से 3000 वर्गमीटर तक के भूखंड खेल सुविधाओं के लिए निर्धारित

इन क्षेत्रों में लगभग 1000 से 3000 वर्गमीटर तक के भूखंड खेल सुविधाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं । इनका आवंटन रेंटल मॉडल के आधार पर किया जाएगा, जिससे निजी भागीदारी को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, इन केंद्रों में 20 प्रतिशत क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं जैसे रिफ्रेशमेंट, पेयजल और विश्राम कक्ष भी विकसित किए जा सकेंगे।

शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का मिलेगा अवसर

इस पहल से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य का माहौल अनुकूल और उत्साहवर्धक बनने की उम्मीद है। कामगारों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का अवसर मिलेगा, जो कार्य क्षमता को भी बढ़ाएगा। साथ ही, औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं के विकास से युवाओं का उद्योगों की ओर आकर्षण भी बढ़ेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

सांगानेर रेलवे स्टेशनः 103 साल बाद 107.9 करोड़ में हैरिटेज से होगा हाईटेक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जंक्शन, खातीपुरा और गांधीनगर के बाद अब सांगानेर स्टेशन की भी सूरत बदलने जा रही है। 100 साल से अधिक पुराने हैरिटेज स्वरूप को बदलकर इसे हाईटेक बनाया जा रहा है। काम शुरू हो चुका है और रेलवे इसके कायाकल्प पर 107.9 करोड़ रुपए खर्च करेगा। पुनर्विकास के बाद यहां ट्रेनों के ठहराव बढ़ने की उम्मीद है। इससे मानसरोवर, सांगानेर, मुहाना, भांकरोटा और टोंक रोड जैसे आबादी वाले क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलेगी।

103 साल बाद भी सुविधाएं पुराने दौर जैसी

वर्ष 1905 में बने सांगानेर स्टेशन पर आज भी यात्री सुविधाएं पुराने दौर जैसी ही है। सीमित ट्रेनों के ठहराव और सुविधाओं के अभाव में यहां यात्रीभार कम रहता है। लंबे समय से इसके पुनर्विकास की जरूरत महसूस की जा रही थी, जिसे अब 'अमृत भारत स्टेशन योजना' में शामिल कर पूरा किया जा रहा है। यात्री सुविधाएं लगभग दोगुनी बढ़ाई जाएंगी। रेलवे ने इसे मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। 1905 में बना स्टेशन 2 साल बाद नए अवतार में नजर आएगा और स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाएं दोगुनी होंगी।

विकसित होंगी ये सुविधाएं

- मुख्य स्टेशन बिल्डिंग करीब 3800 वर्गमीटर क्षेत्र में बनेगी।
- सेकेंड एंट्री बिल्डिंग 600 वर्गमीटर में विकसित होगी।
- चार हाई लेवल प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।
- रेल लाइनों की संख्या तीन से बढ़ाकर चार की जाएगी।
- सुरक्षित संचालन के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाया जाएगा।
- 5 मीटर चौड़ा अंडरपास बनेगा, जिससे सभी प्लेटफॉर्म जुड़े रहेंगे।
- यात्रियों की सुविधा के लिए 4 लिफ्ट लगाई जाएंगी।
- वेटिंग और टिकटिंग एरिया के साथ सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार होगा।

राजस्थानी संस्कृति होगी साकार

गांधीनगर और जयपुर जंक्शन की तर्ज पर सांगानेर स्टेशन पर भी राजस्थान की लोककला और संस्कृति की झलक दिखाई देगी। डिजाइन में सांगानेरी कला को शामिल किया जाएगा, जिससे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं संग सांस्कृतिक पहचान भी बनाए रखेगा।

कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलेगी

सांगानेर स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। काम पूरा होने के बाद यह कनेक्टिविटी और यात्री सुविधा को नई दिशा देगा। आने वाले समय में यह स्टेशन राजधानी के प्रमुख और आधुनिक रेलवे स्टेशनों में शामिल होगा। काम शुरू हो चुका है और मार्च 2028 तक यह तैयार हो जाएगा
-अमित सुदर्शन, सीपीआरओ, उत्तर पश्चिम रेलवे

कानूनी जागरूकता की ओर एक सशक्त पहल "लीगल टॉक शो" आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। समाज में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अवार लॉयर्स द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में एक भव्य "लीगल टॉक शो" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रख्यात अधिवक्ता एडवोकेट शिव कुमार अवार ने किया, जिन्होंने इसे एक सशक्त जन-जागरूकता अभियान का रूप दिया। शिवाली गुप्ता ने बताया कि न्यायपालिका के सुचारू संचालन हेतु बार और बेंच के संबंध किस प्रकार के होने चाहिए इस विषय पर जानकारी दी। साथ ही साथ किस तरीके के सकारात्मक प्रयासों से न्यायपालिका को और सुदृढ़ बनाया जा सकता है इस बारे में भी विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों, रेरा एजेंट्स, व्यवसायियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लीगल टॉक शो के माध्यम से रियल एस्टेट कानून, उपभोक्ता अधिकार, दस्तावेज़ सुरक्षा, और वर्तमान कानूनी प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। एडवोकेट शिव कुमार अवार ने अपने संबोधन में कहा कि "कानून की सही जानकारी हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है, जिससे वह अपने अधिकारों की रक्षा कर सके।" उनके इस प्रयास की उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। अवार लॉयर्स की यह पहल समाज में कानूनी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

यूईएम ने किया शिक्षक सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर द्वारा विश्वविद्यालय कैंपस में सफलतापूर्वक 'शिक्षक सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया, जिसमें 140 से अधिक स्कूल निदेशकों, प्राचार्यों और व्याख्याताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमन शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, श्रीमाधोपुर रही। यूनिवर्सिटी की और से प्रो. डॉ. विश्वजॉय चटर्जी, कुलपति, प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, कुलसचिव एवं प्रोवोस्ट, सभी एसोसिएट डीन, विभागाध्यक्ष (HODs), संकाय के सदस्यों के साथ साथ एडमिशन टीम की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा और महत्ता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के जगत में उत्कृष्ठ कार्य कर रहे शिक्षकों को सम्मानित करना है ताकि उनको उनके द्वारा दिए गए योगदान की महत्ता के बारे में जानकारी मिल सके।

जयपुर में 13600 वर्ग मीटर में बनेगा 'स्पोर्ट्स एरिना', 'वाइब सेंटर'

एक ही जगह पर मिलेगी ये खास सुविधाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर में पहली बार दो बड़े नवाचार होने जा रहे हैं, जो लोगों की लाइफस्टाइल, फिटनेस और सोशल लाइफ तीनों को एक साथ जोड़ेंगे। जेडीए अब पुराने और बदहाल कम्युनिटी सेंटर्स को वाइब सेंटर' यानी रौनक और गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करेगा। वहीं द्रव्यवती नदी किनारे इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का स्पोर्ट्स एरिना भी तैयार किया जाएगा।

ऑफिस का काम भी कर सकेंगे

बदहाल पड़े जेडीए के कम्युनिटी सेंटर का अब रंग-रूप बदलने वाला है। ये अब वाइब सेंटर के रूप में विकसित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत विद्याधर नगर सेक्टर दो स्थित कम्युनिटी सेंटर से होगी। इसके डिजाइन को जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने स्वीकृति दे दी है।

ये होगा

- 03 अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप टेनिस कोर्ट
- 04 पिकलबॉल कोर्ट
- 02 बॉक्स क्रिकेट और स्कैटिंग रिंग एडमिन ब्लॉक के साथ कैफे
- 60 कार के लिए पार्किंग स्पेस।

कुछ ऐसा नजर आएगा बनने के बाद

- बेसमेंटः पार्किंग, यूटिलिटी, मेंटिनेंस रूम
- ग्राउंड फ्लोरः ओपन पार्किंग एरिया, ईवेंट और फंक्शन के लिए मल्टीपर्पज हॉल, टू बेडरूम, ओपन एयर थिएटर और रसोई के साथ कैफे
- फर्स्ट फ्लोरः रेस्टोरेंट, शॉप और छोटे व्यापार के लिए रेंटल स्पेस
- सेकंड फ्लोरः लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी की सुविधा, कॉन्फ्रेंस रूम, कॉ-वर्किंग स्पेस
- थर्ड फ्लोरः इंडोर फिटनेस एरिया, योगा एंड वेलनेस स्पेस और इंडोर स्पोर्ट्स एक्टिविटी

इन कम्यूनिटी हॉल को भी दिया जाएगा न्यू लुक

मालवीय नगर-बी और डी ब्लॉक त्रिवेणी नगर आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर।

मई में होगा काम शुरू!

हल्दीघाटी मार्ग से गुजरने वाली द्रव्यवती नदी किनारे इसे विकसित किया जाएगा । मई में काम शुरू होने की संभावना है । जेडीए की ओर से इसके विकसित करने के लिए आठ करोड़ रुपए की प्रशासनिक एव वित्तीय स्वीकृति भी जारी की जा चुकी है । 13600 वर्ग मीटर में इसे विकसित किया जा रहा है ।

पृथ्वी दिवस 2026

हमारी शक्ति, हमारा ग्रह-पर्यावरण के लिए सामूहिक संकल्प

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका रघुवंशी
पर्यावरणविद्
@jagrukjanta.net

पृथ्वी दिवस एक दिन का नहीं, रोज़ का संकल्प है। दुनिया भर में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, जिसमें लाखों लोग शहरों से लेकर गाँवों तक जुट जाते हैं। भारत में ताजमहल से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तक उत्साह भरी गतिविधियाँ चलती हैं, जो प्राचीन ज्ञान को आधुनिक संकल्प से जोड़ती हैं। दुनिया भर में 10 करोड़ से ज़्यादा लोग सफाई अभियान, पेड़ लगाने के मैराथन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर व पवन ऊर्जा पर जोर देते हुए तकनीकी नवाचारों में हिस्सा लेते हैं। ब्राज़ील में कार्यकर्ताओं ने अमेज़न के इलाकों को अवैध कटाई से मुक्त किया, तो अमेरिका के युवाओं ने जीवाश्म ईंधन कंपनियों पर मुकदमे दायर किए। खास आकर्षणः वैज्ञानिकों ने बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक वैरायटी पेश की, जो दशक भर में समुद्री प्रदूषण को 50% कम करने का वादा करती है।

चुनौतियाँ अभी भी कड़ी हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में रिकॉर्ड तापमान और जैव-विविधता हानि की चेतावनी दी गई है। भारत के हिमनद तेज़ी से पिघल रहे हैं। जानकारों ने सौर ऊर्जा विस्तार और टिकाऊ खेती जैसी नीतियों की माँग की है। शहरों की छतों पर सब्ज़ियों के बाग़ से लेकर गाँवों में कचरे को कला में बदलने तक, आशा की किरणें चमक जाती हैं। पृथ्वी का भविष्य हमारी शक्ति और हमारे हाथों में है।

दिल अगर शरीर में जीवन होने की निशानी है तो सेहतमंद लिवर उस जीवन को खुशहाल बनाने की। इसलिए हमारी आदतें ऐसी हों कि जिगर वाह-वाह करें। कैसे हम लिवर को सेहतमंद बनाए रखें? दमदार जिगर के लिए हमारी आदतें कैसी होनी चाहिए, देश के जाने-माने एक्सपर्ट्स से बातकर जानकारी दे रहा है जागरूक जनता।

लिवर से लव
आदत बदलें, सेहत पाएं

वर्ल्ड लिवर डे
आज (19 अप्रैल) पर विशेष

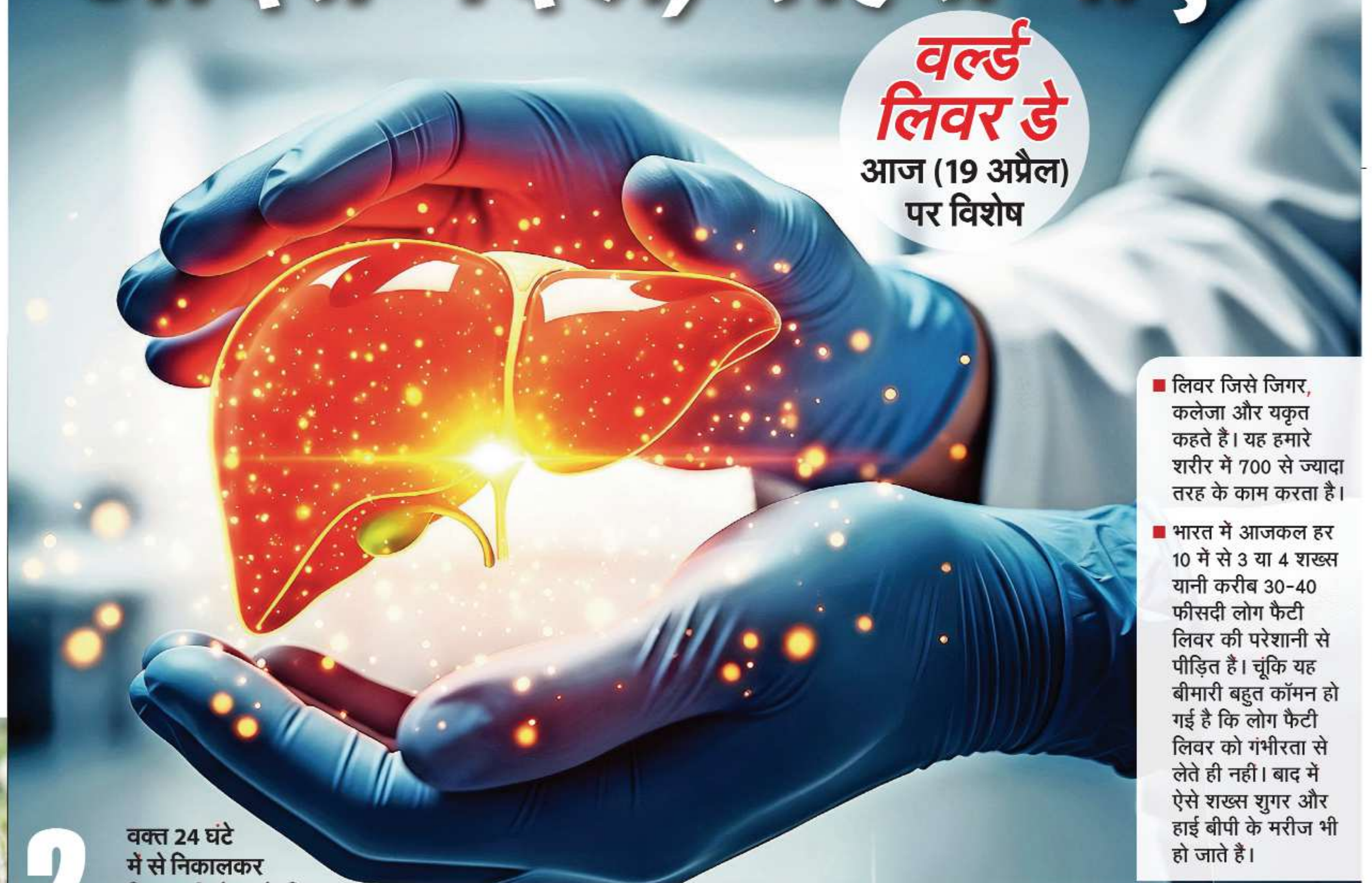

यह लिवर ही है जो शरीर में होने वाली 700 से ज्यादा ऐक्टिविटीज़ में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर शामिल रहता है। खून बनाने से लेकर, खून की सफाई तक में लिवर का अहम किरदार होता है। चाहे विटामिंस को ऐक्टिव करना हो या फिर मिनरल्स को जज्ब करना, मज़बूत लिवर ही इन सभी के पीछे है। जब किसी का लिवर कमज़ोर होता है तो उसकी इम्यूनिटी सबसे पहले कमजोर होती है। इसलिए अगर हमें बचपन से जवानी और जवानी से बुढ़ापे तक सेहतमंद रहना है तो अपने लिवर का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए किसी खास ऐक्टिविटी या महंगी डाइट की ज़रूरत नहीं होती। सामान्य काम करने है लेकिन सही तरीके से।

जिगर क्यों है शरीर का जिगरी यार?

लिवर शरीर का इकलौता ऐसा हिस्सा है जो सैकड़ों काम करता है। जब कोई अंग इतना ज्यादा उपयोगी होगा तो वह स्वाभाविक तौर पर शरीर का जिगरी यार हो ही जाएगा। बड़ी बात यह कि ऐसे सभी काम लिवर दिन में एक बार नहीं कई-कई बार करता है। इसके कामों में खून बनाना, इम्यूनिटी मज़बूत करना और पाचन आदि हैं। अब यह हम पर है कि हम ताज़े फल और सब्जियां खाकर उसके काम में मदद करते हैं या फिर शराब, पैक्ड फूड आदि शरीर में पहुंचाकर रुकावट पैदा करते हैं। यह शरीर के उत्सर्जी अंग (हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने वाला) के रूप में भी काम करता है। लिवर शरीर से हानिकारक और जहरीले पदार्थों को पित्त (बाइल) के रूप में छानकर शरीर से अलग करता है। स्टूल का भूरा रंग भी पित्त की वजह से होता है।

- किडनी या फेफड़ों से अलग लिवर खुद को छोटे-से बड़ा बना सकता है। इसे रीजेनरेशन पावर भी कहते हैं। इसके लिए शरीर में कम से कम 25 फीसदी असल लिवर का मौजूद रहना ज़रूरी है। इसे मूल स्वरूप में लौटने के लिए अमूमन 2 से 3 हफ्तों की ही ज़रूरत होती है।
- यह शरीर में ग्लूकोज़ को नियंत्रित करने में भी अहम भूमिका निभाता है। अगर किसी को फैटी लिवर है तो वह अमूमन टाइप-2 डायबीटीज़ का मरीज भी हो सकता है। जब हम कुछ खाते हैं तो यह ग्लाइकोज़न को ग्लूकोज़ में बदल देता है। जब लिवर में ग्लूकोज़ ज्यादा मात्रा में जमा होने लगता है तो यह फैट में बदल जाता है। इसके बाद ही फैटी लिवर का मामला बनता है। फैटी लिवर की स्थिति से बचने के लिए ज़रूरी है कि हम तेल, फैट आदि कम खाएं और हर दिन एक्सरसाइज़ करें।
- प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बहुत ज़रूरी है। प्रोटीन हमारे शरीर का बिल्डिंग ब्लॉक्स (जिससे शरीर मूल रूप से बना है) कहलाता है। कई बार हमारा शरीर इतना प्रोटीन पैदा नहीं कर पाता कि उसकी ज़रूरत पूरी हो। ऐसे में लिवर ही वह प्रोटीन बनाता है।
- लिवर विटामिनों का भंडारण भी करता है। A,D,E,K ये फैट में घुलने और पचने वाले विटामिन हैं। लिवर में 5 फीसदी से कम फैट रहना भी जरूरी है ताकि इन विटामिनों को शरीर सही तरीके से जज्ब कर सके। इसके लिए ज़रूरी है कि हम हर दिन एक चम्मच शुद्ध देसी घी का सेवन करें। लिवर आयरन और कॉपर को भी स्टोर करता है और इसे जज्ब करने में मदद करता है। एक और खास बात यह कि विटामिन D को ऐक्टिव फॉर्म में लाने के लिए भी ज़रूरत होती है, ताकि शरीर कैल्शियम को जज्ब कर सके।

लिवर के टेस्ट

LFT: इसे लिवर फंक्शन टेस्ट भी कहते हैं। इस टेस्ट को कराकर देखते हैं कि फैटी लिवर की क्या स्थिति है।
खर्चः 400 से 800 रुपये, **कैसेः** खून से, **रिपोर्टः** उसी दिन

Serum Albumin: जब लिवर से बने प्रोटीन एल्बुमिन का लेवल खून में कम होने लगता है, तब इस टेस्ट से ही पता चलता है कि लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नही।
खर्चः 125 से 250 रुपये,
कैसेः खून से, **रिपोर्टः** उसी दिन

Liver Fibrosis
इस टेस्ट को लिवर का गोल्डन टेस्ट भी कहते हैं। यह अल्ट्रासाउंड तकनीक पर आधारित है। इससे लिवर को हो चुके नुकसान के बारे में पूरी जानकारी मिल जाती है।
खर्चः 4000 से 6500 रुपये,
कैसेः अल्ट्रासाउंड।

2% वक्त 24 घंटे में से निकालकर लिवर की सेहत के लिए एक्सराइज़ करें (1440 मिनट का 2 पर्सेंट करीब 30 मिनट)

100% मज़ा अपनी ज़िंदगी का ज़िंदगी भर लें।

- जिगर की मजबूती के लिए यह ज़रूरी है कि हम एक्सरसाइज़ भी करें, डाइट सही करें और उसे आराम भी दें। चाहे वह सही खानपान से हो या फिर हर रात 7-8 घंटे की नींद से।
- देर रात मंचिंग करने से और कुछ भी उल्टा-सीधा खाने से लिवर को सीधा नुकसान होता है। सच तो यह है कि फैटी लिवर से ही शुगर के खतरे की नीव भी पड़ जाती है।

- लिवर जिसे जिगर, कलेजा और यकृत कहते हैं। यह हमारे शरीर में 700 से ज्यादा तरह के काम करता है।
- भारत में आजकल हर 10 में से 3 या 4 शख्स यानी करीब 30-40 फीसदी लोग फैटी लिवर की परेशानी से पीड़ित हैं। चूंकि यह बीमारी बहुत कॉमन हो गई है कि लोग फैटी लिवर को गंभीरता से लेते ही नही। बाद में ऐसे शख्स शुगर और हाई बीपी के मरीज भी हो जाते हैं।

ये 7 बातें बनाएंगी लिवर को दमदार

1 लिवर की फेवरिट चीज़ें खाएं
हम फाइबरयुक्त चीज़ें (मौसमी फल, सलाद आदि) कम खाते हैं। जितनी खाएंगे, उतना ही फायदा होगा। इनके अलावा हर दिन हेल्दी प्रोटीन का सेवन करें। मसलनः पनीर, स्प्राउट्स आदि। वहीं नॉनवेज में अंडा, मछली या चिकन लिया जा सकता है। सही मात्रा में प्रोटीन लेने से फैटी लिवर का खतरा कम होता है।

2 डिटॉक्सिफिकेशन को अहमियत
हानिकारक चीजों को बाहर निकालने का बड़ा ही आसान तरीका है डिटॉक्सिफिकेशन। हम इसे भूल जाते हैं। इसके लिए सुबह खाली पेट एक गिलास सामान्य पानी या एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीबू निचोड़कर पी लें। ज्यादा फायदा चाहिए तो रात में किसी साफ शीशे के जार में 2 लीटर पीने वाले पानी में 2 नीबूओं को छिलके समेत काटकर डाल दें। खीरा भी डाल सकते हैं। सुबह छान लें, फिर इसे दिनभर पीते रहें।

3 न लगाएं गलत चीज़ों की आदत
लिवर के लिए शराब खतरनाक है। जब हम लगातार शराब का सेवन करते हैं तो इसे भी लिवर को पचाना पड़ता है। अल्कोहल से बनने वाले फैट को भी लिवर स्टोर करता है। यह खराब फैट है या कह सकते हैं कि ज़हर है। इससे लिवर में सूजन आ जाती है। साथ ही फैटी लिवर की परेशानी भी बहुत बढ़ जाती है। इसके बाद जिस तरह की परेशानी बढ़ती है, वह हेपेटाइटिस से काफी मिलती है, इसलिए इसे अल्कोहलिक हेपेटाइटिस कहते हैं। शराब, पैक्ड फूड, स्टोर करके रखे जाने वाले नॉनवेज आइटम्स आदि से दूरी रखनी चाहिए। इन्हें स्टोर करने के लिए जिन रसायनों (फॉर्मलिनः मरने के बाद इंसानी शरीर को लंबे समय तक सही रखने के लिए इस्तेमाल होता है।) का यूज़ होता है, ये हानिकारक होते हैं।

4 शुगर, बीपी के मरीज हैं तो...
वैसे तो शुगर की समस्या पैन्क्रीअस से जुड़ी हुई है, क्योंकि यही इन्सुलिन बनाता है। लेकिन शुगर कुछ अंगों को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है, उनमें से लिवर भी एक है। अगर किसी को शुगर है तो उसे लिवर का भी ज़रूर ख्याल रखना चाहिए। हर 6 महीने पर LFT का टेस्ट ज़रूर कराना चाहिए, साथ ही किसी डॉक्टर के संपर्क में भी ज़रूर रहना चाहिए। वहीं बीपी को काबू में रखना भी ज़रूरी है। बीपी की दवाएं सही वक्त पर लेते रहें। सच तो यह है कि अगर शुगर और बीपी को काबू में न रखा जाए तो फैटी लिवर की परेशानी हो जाती है।

5 पेनकिलर दवाओं का न करें गैरज़रूरी उपयोग
जब दवा ही दर्द देने लगे तो क्या करें? हम कहते हैं ऐसी दवा से दूरी बना लें या फिर जितनी कम हो उतनी ही लें। पेनकिलर्स ऐसी ही दवाएं हैं जो फौरी तौर पर भले ही हमें दर्द से राहत दें, लेकिन ये हमारे लिवर के लिए बहुत ही खतरनाक हैं। ये लिवर में बहुत ज्यादा मात्रा में ज़हरीला पदार्थ पैदा करती हैं। इससे लिवर को बहुत नुकसान होता है। यह ठीक उसी तरह लिवर के लिए नुकसानदायक हैं जिस तरह कोई लगातार शराब का सेवन करता है। कई बार ये दवाएं शराब से भी ज्यादा खतरनाक हो सकती हैं।

6 वज़न रखें काबू में
वैसे तो मोटापा कई बीमारियों के लिए बहुत खतरनाक है, लेकिन लिवर के मामले में यह ज्यादा ही खतरा पैदा कर देता है। ऐसा नहीं है कि लिवर को फैट बिलकुल भी पसंद नहीं। लिवर को उसके वज़न का 5 फीसदी तक ही फैट पसंद है। फैट की मात्रा अगर इससे ऊपर चली जाए तो समस्या पैदा हो जाती है। यह जितनी बढ़ती जाएगी, लिवर की परेशानी भी बढ़ती जाएगी। यहां इस बात को समझना भी जरूरी है कि फैटी लिवर सिर्फ मोटे व्यक्तियों में ही नहीं होता, यह दुबले व्यक्ति को भी हो सकता है, अगर शराब की लत या गलत खानपान की आदत हो।

7 फिजिकल ऐक्टिविटीज़ करते रहें
लिवर को मजबूत बनाने में एक्सरसाइज़ और फिजिकल ऐक्टिविटी का अहम रोल होता है। हर दिन 45 मिनट की फिजिकल ऐक्टविटी से फैटी लिवर की स्थिति से हमारी दूरी बन जाती है। हर दिन 10 से 15 मिनट का प्राणायाम काफी काम आता है। अगर योग में दिलचस्पी है तो उसे भी ज़रूर करें। सीधे कहें तो पेट पर फैट न जमने दें। अमूमन इन बातों को हम भूल जाते हैं।

लिवर हेल्दी है या नहीं, खुद ऐसे पहचानें

कई बार हम यह मान लेते हैं कि हमारा लिवर हेल्दी है। कई लोग ब्लड टेस्ट भी नहीं कराते। ऐसे में कुछ तरीके हैं जिनसे हम यह काफी हद तक समझ सकते हैं कि लिवर हेल्दी है या नहीं? वैसे इसका अनुमान अपनी अच्छी और बुरी आदतों को भी देखकर लगा सकते हैं। आजकल लिवर में फैट जमा होना बहुत कॉमन है, इसलिए इसे लोग इसे बीमारी ही नहीं समझते जबकि यह गलत है। फैटी लिवर की पहली स्टेज कमज़ोर हुए लिवर की पहली निशानी है।

- गर्दन की मोटाई भी इस बात का संकेत देती है। इसलिए गर्दन मोटी न होने देना बेहद जरूरी है। इसे जांचने के लिए दोनों हाथों से प्रणाम करना है, फिर हाथों को खोलते हुए अपनी गर्दन को घेर कर दोनों हाथों से पकड़ना है। गर्दन पकड़े हुए ही अगर अंगूठे से अंगूठा मिल रहा हो और बीच की उंगली से उंगली मिल रही है तो मान लेना चाहिए कि गर्दन की मोटाई सही है। यह फैटी लिवर न होने का संकेत है। पर मुमकिन है कुछ मामलों में इसके बावजूद भी फैटी लिवर हो।
- गर्दन और बांहों पर काली पट्टी जैसे निशान न होना भी फैटी लिवर न होने की निशानी हो सकती है।
- इसी तरह शरीर पर तिल कम होना और अगर हो तो बड़े साइज के न होना भी लिवर के हेल्दी होने की निशानी है।
- शरीर पर छोटी लाल मकड़ी जैसे निशान कई वजहों से हो सकते हैं लेकिन ये लिवर से जुड़ी कुछ परेशानियों का संकेत भी हो सकते हैं।
- सही वज़न का मतलब है लिवर का हेल्दी होना। अगर किसी शख्स का BMI: 18.5 से 24.9 के बीच है और कमर का सही साइज़ पुरुष के लिए 35 इंच से कम, वही महिलाओं के लिए 31.5 इंच से कम हो तो सही।
- कमर नाशपाती की तरह हो, न कि सेब की तरह जिसमें पेट बाहर की ओर निकला रहता है यानी तोंद न निकली हो।

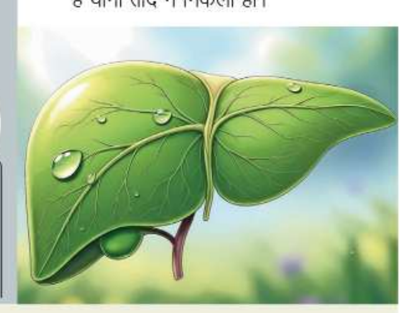

लिवर को क्या है पसंद?

पसंद
- कार्ब कम, चिकनाई कम और फाइबर यानी सलाद, फल ज्यादा
- मांसपेशी के लिए पसीना बहाकर एक्सरसाइज करना
- मोटापे पर पूरा काबू रखना। खासकर पेट पर चर्बी न चढ़ने देना
- पेनकिलर दवाओं से दूरी बनाकर रखने की कोशिश करना

नापसंद
- अल्कोहल, सिगरेट-बीड़ी यानी तंबाकू की लत
- देर रात जागकर मंचिंग करना, मीठी चीजें खाना
- नीद पूरी न करना, लगातार 7-8 घंटे न सोना
- हेपेटाइटिस की वैक्सीन लगवाने में लापरवाही

आयुर्वेद
हेल्दी लिवर के लिए खाने में सभी 6 रस ज़रूरी हैं

- आयुर्वेद में आहार-विहार को उत्तम स्वास्थ्य का आधार माना गया है। सुबह उठते ही गर्मी में ताज़ा पानी और सर्दी के मौसम में गुनगुना पानी लें। इससे लिवर के साथ-साथ किडनी के डिटॉक्सिफिकेशन में भी सहायता मिलती है।
- **आयुर्वेद में 6 रस बताए गए है** - मधुर (मीठा), अम्ल (खट्टा), लवण (नमकीन), कटु (तीखा), तिक्त (कड़वा) और कषाय (कसैला)। **आमतौर पर हम भोजन में पहले तीन रसों का ज्यादा प्रयोग करते हैं जिससे लिवर पर अतिरिक्त भार पड़ता है। इससे लिवर से निकलने वाले एंजाइम्स में गड़बड़ी हो जाती है।** इसलिए खाने में नियमित तौर पर बाद के तीन रसों का प्रयोग भी ज़रूर करने चाहिए ताकि लिवर से निकलने वाले एंजाइम्स आदि में कोई रुकावट न आए। जब हम इन तीनों रसों की पाचन में भूमिका देखते हैं तो समझ में आता है कि ये सभी अहम हैं। कटु रस पाचन में मददगार है और भूख बढ़ाने में भी, मसलनः मिर्च, अदरक, लहसुन, प्याज, लौंग, हींग, सरसों के पत्ते व मूली कटु रस वाले होते हैं। वहीं, तिक्त रस खून और शरीर को शुद्ध करता है। करेला, मेथी, नीम, हल्दी, पत्तेदार सब्जियां तिक्त रस के उदाहरण हैं। कषाय रस डिटॉक्सिफिकेशन में मददगार है। इसमें मूंग, चना, बींस, मसूर दाल, कच्चा केला, जामुन, पत्ता गोभी, तुलसी, सहजन की फली आदि शामिल है।
- नया चावल और गेहूं शरीर में दोषों को बढ़ाते हैं, जिससे लिवर पर विषाक्त प्रभाव पड़ता है, इसलिए गेहूं, चावल आदि हमेशा पुराना ही प्रयोग करें।
- अपने पेट को 4 बराबर भाग मानते हुए 2 भाग ठोस भोजन करें, एक भाग तरल पदार्थ और एक भाग गैसों के संचरण के लिए खाली छोड़ दें, ताकि पाचन आसानी से हो जाए।
- हमेशा घर का बना हुआ ताज़ा व सादा भोजन करें। फास्ट फूड और जंक फूड का प्रयोग बंद कर दें। यदि किसी कारण से इनका प्रयोग करना भी पड़ जाए तो कोल्ड ड्रिंक्स के साथ न लें क्योंकि इनसे फैट के पाचन में दिक्कत आती है और लिवर के रोग पैदा होते हैं। तले हुए और भारी भोजन के बाद भी कोल्ड ड्रिंक न लें। भोजन के 20 से 30 मिनट के बाद गर्म पानी, गर्म दूध, चाय या कॉफी ले सकते हैं, जिससे फैट आराम से पच जाए। फलों के जूस लेने के बजाय फल खाएं, डिब्बाबंद जूस तो बिलकुल भी न लें क्योंकि उनमें बहुत ज्यादा शुगर होती है, जिससे लिवर पर बोझ बढ़ जाता है। दही के बजाय छाछ लें, गर्मी में सत्तू और नीबू पानी का प्रयोग करें।

एक्सपर्ट पैनल

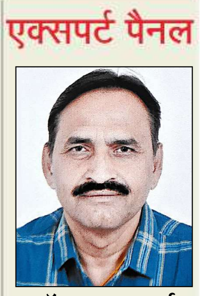

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
एसो. प्रोफेसर
जोधपुर आयुर्वेद विवि

डॉ. अबरार मुल्तानी
जाने-माने
आयुर्वेदिक चिकित्सक

लिवर को मजबूत बनाने वाली जड़ी-बूटियां

दालचीनी, सोंठ, काली मिर्च, छोटी पिप्पली, हल्दी, अदरक, गिलोय, नीबू आदि की चाय या काढ़ा दिन में एक बार पिएं।

कुटकीः यह लिवर की सूजन कम करने और पित्त के प्रवाह में सुधार करने के लिए जानी जाती है।

भूमि आंवलाः यह लिवर को फिर से जीवित करने और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए शक्तिशाली माना जाता है।

कालमेघः यह लिवर रक्षक की तरह काम करता है और सूजन कम करने मे सहायक है।

पुनर्नवाः लिवर की सूजन कम करने, शरीर के शुद्धिकरण मे मदद करती है।

नोटः यहां बताई गई औषधि किसी चिकित्सक के पूछकर ही लें।

नेचरोपैथी

आचार्य मोहन गुप्ता
जाने-माने
नेचरोपैथ

कुदरती चिकित्सा यानी नेचरोपैथी में खानपान, लाइफस्टाइल से ही समस्याओं को दूर रखा जाता है या फिर ठीक किया जाता है। इसमें दवाओं का उपयोग नहीं होता। फिर भी अगर उस शख्स को कोई बीमारी है और डॉक्टर ने कुछ चीज़ों को खाने के लिए मना किया है तो उन्हें न लें। वैसे इन आदतों को अपनाने से लिवर मजबूत होता है।

- सुबह की शुरुआत पेठे के जूस या नारियल पानी से करें। इससे लिवर डिटॉक्स होता है।
- रोजाना ब्रेकफस्ट में मौसमी सलाद, फल (ये लिवर फ्रेंडली है) कम से कम 500 ग्राम खाएं।
- सुबह की कच्ची धूप में हर दिन 30 से 45 मिनट तक बैठें।
- पेट के चारों ओर सूती कपड़े की गीली पट्टी को बांधकर रखें, इससे लिवर और पेट का वेस्ट बाहर निकलता है।
- 10 से 15 मिनट का प्राणायाम हर दिन ज़रूरी है।
- अगर कब्ज हो तो नॉन वायलेंट एनीमा करवाएं।
- हफ्ते या 15 दिनों में एक बार फास्ट रखने से भी लिवर मजबूत होता है।

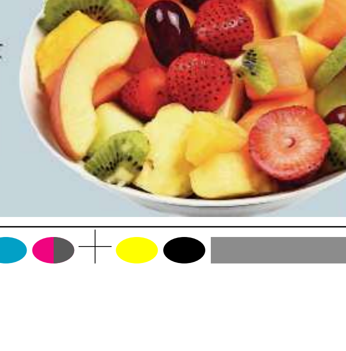

जागरूक खबरें

माधव विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा संकाय के दो शोधार्थियों को मिली पीएचडी उपाधि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा संकाय में दो शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। शारीरिक शिक्षा के विभागाध्यक्ष डॉ. देव शर्मा ने बताया कि शोधार्थी हेमलता को "वुशु, मुक्केबाजी, कबड्डी एवं हॉकी के राज्य स्तरीय खिलाड़ियों में गतिशील क्षमता, मानसिक क्षमता तथा शरीर माप संबंधी मानकों का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। यह शोध कार्य डॉ. अभिषेक सांचोरा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। इसी क्रम में, शोधार्थी अविनाश कुमार सोलंकी को "गुजरात के हॉकी एवं फुटबॉल खिलाड़ियों में शारीरिक एवं शरीर क्रियात्मक घटकों का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर किए गए शोध कार्य के लिए पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। यह शोध कार्य डॉ. भरत कुमार चैधरी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

1 मई से मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का बदल जाएंगा नंबर, सालासर सुपरफास्ट पर आया नया अपडेट

जोधपुर @ जागरूक जनता। पश्चिमी राजस्थान को राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाली जोधपुर-दिल्ली मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की प्राइमरी मेंटेनेन्स अब जोधपुर में की जाएगी, ट्रेन की मेंटेनेन्स पहले दिल्ली में होती थी। ट्रेन के प्राइमरी मेंटेनेन्स की जिम्मेदारी पश्चिम रेलवे से बदलकर उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल को सौंपी गई है। साथ ही, ट्रेन नंबरों में परिवर्तन किया गया है। जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन संख्या 22996 जोधपुर-दिल्ली मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नंबर परिवर्तित कर 22491 किया जा रहा है। यह 1 मई से प्रभावी होगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22995 दिल्ली-जोधपुर का नंबर परिवर्तित कर 22492 किया जा रहा है, यह 2 मई से प्रभावी होगा। ट्रेन में 21 कोच होंगे।

मॉल जैसी सुविधाओं से लैस होगा नया कन्वेंशन सेंटर, मिली 75 लाख की मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। शहर के अंबेडकर नगर में बनने वाले कन्वेंशन सेंटर को मॉल कल्चर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने इस सेंटर की डीपीआर बनाने के लिए 75 लाख रुपए की स्वीकृति दे दी है। जिसके बाद यूआइटी ने डीपीआर बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। यूआइटी इस प्रोजेक्ट को अर्बन बैलेंस फंड स्कीम में लाना चाहती है, जिससे की यह जल्द धरातल पर आ सके।

शहर में एक आधुनिक नया बाजार विकसित करने के लिए उद्देश्य से कन्वेंशन सेंटर बनाने का प्रस्ताव यूआइटी की ओर से तैयार किया गया था, जिसे प्रदेश सरकार के जरिए केंद्र सरकार को भेजा गया था। वह 152 करोड़ का प्रस्ताव था। इस प्रस्ताव को और बेहतर करने के लिए 5 करोड़ रुपए डीपीआर के लिए स्वीकृति मांगी गई थी, लेकिन केंद्र सरकार से नहीं आई। कन्वेंशन सेंटर की अलवर में जरूरत को देखते हुए यूआइटी ने फिर एक पत्र प्रदेश सरकार को लिखा और कहा कि इस सेंटर की डीपीआर बनाने के लिए 75 लाख की स्वीकृति दी जाए, जिस पर सरकार ने मुहर लगा दी है। अब डीपीआर के लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है।

इस तरह मिलनी थी सुविधाएं

पहले अंबेडकर नगर में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर 8 मंजिला सेंटर के लिए प्रस्ताव तैयार किया था। यहां थिएटर से लेकर शोरूम, फूड कोर्ट, क्लब हाउस, थीम पार्क समेत कई सुविधाएं मिलनी थीं। ऑडिटोरियम के साथ ही डबल बेसमेंट पार्किंग होगी, जिसमें 584 वाहन पार्क किए जा सकते थे। इसके लिए 12800 स्क्वायर मीटर एरिया आरक्षित होना था।

अर्बन बैलेंस फंड स्कीम क्या है

अर्बन बैलेंस फंड स्कीम किसी भी प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने के लिए बजट का निर्धारण करती है। इस योजना के तहत प्रोजेक्ट के लिए 50 फीसदी रकम बाजार से लेनी होती है। साथ ही, 25 प्रतिशत राज्य सरकार या यूआइटी अपने स्तर से वहन करती है और 25 प्रतिशत ही राशि केंद्र सरकार देती है। इससे राशि डिवाइड होने से किसी पर भार नहीं आएगा और प्रोजेक्ट जल्द धरातल पर आ जाएगा।

चित्तौड़गढ़ अर्बन बैंक निदेशक मंडल की बैठक संपन्न

वित्तीय वर्ष समाप्ति पर 1 करोड़ 10 लाख का कर पूर्व लाभ और 240 करोड़ के कुल व्यवसाय का अनुमोदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन कॉपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक बैंक चेयरमैन डा आई एम सेठिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष में कुल 240 करोड़ के व्यवसाय के साथ आयकर पूर्व लाभ 1 करोड़ 10 लाख का अनुमोदन करते हुए नगर परिषद द्वारा गांधी नगर में प्रधान कार्यालय निर्माण कार्य हेतु प्रदत्त नक्शा स्वीकृति का भी अनुमोदन कर परिषद का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही आगे की कार्यवाही यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्णय किया।

प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ,निदेशक सीए दिनेश सिसोदिया, बालकिशन धूत,वृद्धि चंद कोठारी,राधेश्याम आमेरिया, रणजीत सिंह नाहर,हरीश आहूजा कल्याणी दीक्षित, सीए दीप्ति सेठिया डाड आदि के सानिध्य में संपन्न इस बैठक में वित्तीय वर्ष मार्च समाप्ति के वित्तीय परिणामों सहित शाखावार लक्ष्य पूर्ति, ओवरड्यू और एनपीए ऋण वसूली सहित रजत जयंती पर ऋण की ब्याज दरों में की गई कमी को आगामी निर्णय तक यथावत रखने का भी निर्णय किया गया। बैठक में वार्षिक खाताबंदी के तहत सभी प्रावधानों का भी अनुमोदन किया गया डॉ. सेठिया ने बैठक में बताया की नगर परिषद द्वारा प्रधान कार्यालय निर्माण प्रारंभ करने के लिए नक्शा स्वीकृति के साथ ही आगे की टेंडर सहित तकनीकी प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ की जाएगी। बैठक का संचालन प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने किया और धन्यवाद निदेशक दिनेश शिशोदिया ने व्यक्त किया

प्रबंध निदेशक को डॉक्टरेट उपाधि मिलने पर सम्मान

बैंक अध्यक्ष डॉ. सेठिया ने बताया की 23 मार्च 2026 को राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर द्वारा बैंक की प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी को सहकारी बैंक और संस्थाओं में महिलाओ को विधिक स्थिति विषय पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है जो बैंक के लिए अत्यंत खुशी का विषय है। डा सेठिया सहित निदेशक मंडल सदस्यो ने वजीरानी का उपरना पहना कर अभिनंदन किया।प्रबंधन मंडल सदस्य आदित्य सेठिया,नरेंद्र चोरडिया, एस एल पुंगलिया,अंकिता जैन आदि ने भी पीएचडी पूर्ण होने हर्ष व्यक्त किया

वन्यजीवों की गणना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, जयपुर के द्वारा पत्र के माध्यम से पूर्व में दिए गए थे इस मे बाघ, बघेरा और अन्य वन्यजीवों की संख्या का आंकलन सुनिश्चित किया जाना है। यह गणना हर साल की तरह बैशाख पूर्णिमा पर 2-3 मई 6 को 24 घंटे की चुनौतीपूर्ण अवधि में होगी। इस महत्वाकांक्षी कार्य को बिना किसी चूक के पूरा करने के लिए 18 अप्रैल 2026 को आबूतलेटी रेंज परिसर में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में उप वन संरक्षक वन्यजीव आबूपर्वत शुभम जैन, सहायक वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी सुमेश बालान, सहायक वन संरक्षक गजेंद्र सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी (आबूतलेटी) भरत सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी (वनसुरक्षा) भैरूसिंह, रेंज ईकोट्यूरिज्म श्रवण राम बिश्नोई और क्षेत्रीय वन अधिकारी (अनादरा) अजय कुमार दाना सहित सभी रेंजों के स्टाफ ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वन्यजीवों की सटीक पहचान, आवश्यक सामग्री, वाटर होल पर आदर्श स्थान चयन, ट्रैप कैमरों की स्थापना और पानी की उपलब्धता जैसे क्रिटिकल बिंदुओं पर गहन चर्चा हुई। स्टाफ ने भी अपने अनुभव और सुझाव साझा किए, जिससे आकलन अभियान और मजबूत हो पाएं।

चंबल-नादौती परियोजनाः 1426 गांवों व 8 शहरों को मिलेगा लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जिले के 579 गांव एवं 4 शहर शामिल

परियोजना में मण्डरायल के निकट चंबल नदी से इनटेक वेल के माध्यम से जल पम्प कर रॉ-वॉटर जलाशय में संग्रहित होगा। जल शोधन के बाद इसे पाइपलाइन से गांवों व शहरों में वितरित किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता एम शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने बजट घोषणा 2024-25 के तहत इस परियोजना को स्वीकृति दी है, जिसमें सवाई माधोपुर जिले के 579 गांव एवं 4 शहर शामिल हैं। यह योजना वर्ष 2054 तक की पेयजल मांग को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिससे सवाई माधोपुर की अनुमानित 19.5 लाख जनसंख्या को जलापूर्ति प्रावधान है।

सवाईमाधोपुर। जिला कलक्टर काना राम ने चंबल-नादौती-सवाई माधोपुर वृहद पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया। 4060 करोड़ रुपए की इस योजना से सवाईमाधोपुर और करौली जिलों के कुल 1426 गांवों तथा 8 शहरों को लाभान्वित करेगी। संयोजक के तौर पर उन्होंने सवाई माधोपुर जिले के 579 गांवों व 4 शहरों में दीर्घकालिक पेयजल समाधान के लिए कार्यों की गुणवत्ता व समयसीमा पर सख्ती के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलक्टर काना राम ने मण्डरायल स्थित चंबल सीडब्ल्यूआर सेंटर, फिल्टर प्लांट एवं राजघाट पर इनटेक वेल का अवलोकन किया। निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधीक्षण अभियंता एम शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। गर्मी के मद्देनजर पेयजल आपूर्ति की तैयारियों की समीक्षा कर, उन्होंने निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता से कार्य पूर्ण करने पर बल दिया।

22,098 घरेलू जल कनेक्शन देने का लक्ष्य

***जल** जीवन मिशन के तहत सवाई माधोपुर के 126 गांवों में 22,098 घरेलू जल कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य है। परियोजना को तीन पैकेजों में विभाजित कर कार्य हो रहा है। जिला कलक्टर ने भूमि आवंटन की प्रगति समीक्षा कर शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह के साथ गंगापुर सिटी स्थित चम्बल पम्प हाउस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत विभाग को 7 दिन में ट्यूबवेल विद्युत कनेक्शन जारी करने तथा अधिशाषी अभियंता रामकेश मीणा को 15 नए ट्यूबवेल प्रारंभ करने के निर्देश दिए।*

राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा माउंट आबू में अखिल भारतीय वीर हिंदू विजेता हिंदू शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय मनोज सिंह के मुख्य अतिथि के रूप में वीर हिन्दू, विजेता हिन्दू प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी सियाराम महाराज, राधाकृष्ण गोपालदास सहित प्रदीप गौर संयुक्त महामंत्री अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, भंवर लाल चौधरी अध्यक्ष राजस्थान अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद मंचासीन उपस्थित रहे।

मनोज सिंह ने संपूर्ण भारत के 42 प्रांतों से आए सभी शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि धर्मो रक्षति रक्षति धर्म की पुनर्स्थापना के लिए अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल का 24 जून 2018 सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम दिल्ली जो इंद्रप्रस्थ के नाम से प्रसिद्ध है वहां पर डॉक्टर तोगड़िया के नेतृत्व में स्थापना हुई। आज हम अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के माध्यम से संपूर्ण देश के अंदर ऐसी नई क्रांति युवकों के द्वारा खड़ा करना चाहते हैं जिसका नाम है अखिल भारतीय वीर हिंदू विजेता हिंदू शौर्य प्रशिक्षण वर्ग।

अपर मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ

बाल विवाह न करेंगे, न होने देंगे- विश्नोई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र आबू पर्वत पर पांच दिवसीय प्रेसिडेंट स्काउट/रोवर प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन विधिक तालुका सेवा समिति के तत्वावधान में बाल विवाह रोकथाम कार्यक्रम और रैली आयोजित हुई। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्यामसुंदर विश्नोई ने मुख्य अतिथि के रूप में स्काउट संगठन की परंपरा से भव्य स्वागत प्राप्त किया, जिसमें बधाई, तिलक, गार्ड ऑफ ऑनर और राजस्थानी गीत शामिल थे।

कार्यक्रम में मुख्य संबोधन देते हुए अपर मुख्य न्यायिक न्यायाधीश श्याम सुंदर विश्नोई ने शिक्षा और संस्कार निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि गुरु जीवन की राह दिखाता है तथा इच्छाशक्ति से अच्छी आदतें अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बाल विवाह को अभिशाप करार देते हुए स्काउट्स से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी 300 स्काउट्स-रोवर्स ने प्रतिज्ञा व शपथ दिलवाई कि, वे बाल विवाह न करेंगे और न होने देंगे। न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया, जो स्काउट ग्राउंड से कुम्हारवाड़ा, शंकर मठ, सीआरपीएफ सेंटर, मुख्य बाजार, नक्की झील, टैक्सी-बस स्टैंड होते हुए वापस केंद्र पहुंची। इस दौरान बाल विवाह रोकथाम का संदेश हजारों लोगों तक पहुंचा। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. महेश कालावत ने किया। इस रैली में शिविर संचालक दिलीप माथुर (कोटा संभाग) जितेंद्र भाटी (सी.ओ. आबू पर्वत) अभय सिंह शेखावत (लीडर ट्रेनर) शैलेश पलोड, रघुवीर सिंह, मनोज शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे ।

नदबई बाइपास-आरओबी से बदली भरतपुर की किस्मत, लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। राजस्थान में सड़क और परिवहन सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की श्रृंखला में जिले का नदबई बायपास एवं रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्य न केवल नदबई क्षेत्र के नागरिकों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि आस-पास के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। सीएम भजनलाल शर्मा के प्रदेश की कमान संभालने के बाद इस कार्य को गति देने के लिए राज्य स्तर से निरन्तर मॉनिटरिंग शुरू कर सामने आ रही समस्याओं का निराकरण कराया गया। वर्ष 2018 में प्रारम्भ हुआ यह कार्य राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से ना केवल गति पकड़ा बल्कि गुणवत्ता के सभी मानकों के अनुरूप पूरा हुआ है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लगभग 105 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

हिंद जिंक विद्यालय का दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में हिंद जिंक विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत एवं उत्कृष्ट रहा।

विद्यालय के कुल 82 विद्यार्थियों में से 81 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में एवं एक विद्यार्थी ने द्वितीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की छात्रा अक्षी जैन ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। नंदिनी टेलर ने 97.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वंशिका अजमेरा एवं काशवी अग्रवाल ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। 82 में से 31 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान विषय में भव्य पोखरना एवं वंशिका अजमेरा ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी में तीन विद्यार्थियों भव्य सोमानी, नंदिनी टेलर एवं वंशिका अजमेरा ने 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्राचार्या बिंदु नायर एवं उप-प्राचार्य नरेश नूनिया ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजीविका की एसएमडी ने लक्ष्य सीएलएफ एवं अन्नपूर्णा रसोई का किया निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की राज्य मिशन निदेशक श्रीमती प्रियंका गोस्वामी ने शहर के निकटवर्ती जसोल स्थित लक्ष्य महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति लिमिटेड एवं इसके द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीमती गोस्वामी ने लक्ष्य सीएलएफ की क्लस्टर मैनेजर व उपस्थित महिला सदस्यों से रिकॉर्ड संधारण, आय-व्यय विवरण, ऋण वितरण एवं उसकी वसूली से जुड़ी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को आजीविका गतिविधियों में अधिक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आर्थिक सशक्तिकरण को और मजबूती मिल सके।

इसके बाद उन्होंने सीएलएफ द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई केंद्र का निरीक्षण किया। यहां रसोई संचालिका मंजू एवं कंप्यूटर ऑपरेटर से कार्यप्रणाली, मेन्यू और भुगतान व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए साफ-सफाई एवं बेहतर प्रबंधन बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक नरपत सिंह भाटी, जिला प्रबंधक दिनेश सेन, अशोक सोनल, बालोतरा ब्लॉक के ब्लॉक परियोजना प्रबंधक प्रशांत, एरिया कोर्डिनेटर शांति, क्लस्टर मैनेजर लीला तथा कृषि संदर्भ व्यक्ति भरत कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आसाराम की उम्रकैद को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की मुश्किलें कम होंगी या बरकरार रहेंगी। फिलहाल, इस पर राजस्थान हाईकोर्ट जल्द ही अपना निर्णय सुनाएगा। जोधपुर मुख्यपीठ में जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। आसाराम और मामले के अन्य सह-आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को चुनौती देते हुए यह अपील दायर की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पिछले कुछ दिनों से लगातार सुनवाई जारी थी। बता दें कि 17 अप्रैल को आसाराम के वकीलों ने अंतिम बहस पूरी की थी। वहीं, 20 अप्रैल को पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी और सरकारी अभियोजक ने अपनी प्रति-दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की जिरह पूरी होने के बाद खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा, जो अब किसी भी दिन सुनाया जा सकता है। यह मामला साल 2013 का है, जब आसाराम पर उनके जोधपुर स्थित मणाई आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा था।

माधव विश्वविद्यालय के प्राध्यापक की नई पुस्तक प्रकाशित, गांधी और फैनन के विचारों का तुलनात्मक विश्लेषण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बिशाल भट्टाचार्य द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण अकादमिक पुस्तक "गांधी और फैनन के राष्ट्रवाद एवं संस्कृति पर तुलनात्मक विश्लेषण" प्रकाशित हुई है। यह पुस्तक राष्ट्रवाद, संस्कृति और उपनिवेशोत्तर विचारधारा पर आधारित एक गंभीर एवं शोधपरक अध्ययन प्रस्तुत करती है।

पुस्तक में महान विचारकों महात्मा गांधी और फ्रांत्ज़ फैनन के राष्ट्रवाद, संस्कृति, हिंसा, नैतिकता और मुक्ति संबंधी विचारों का गहन तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। लेखक ने दोनों चिंतकों के दृष्टिकोणों को व्यापक राजनीतिक एवं सामाजिक संदर्भ में प्रस्तुत करते हुए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि उनके विचार किस प्रकार उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन को दिशा देते हैं।

पुस्तक के लोकार्पण समारोह में विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ भारती देसाई व अकादमिक अधिष्ठाता डॉ महेंद्र सिंह परमार ने संयुक्त रूप से विमोचन किया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पीएम मोदी दौरा स्थगित, रिफाइनरी के उद्घाटन की नई तारीख का ऐलान जल्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान का दौरा स्थगित हो गया है। पीएम मोदी मंगलवार, 21 अप्रैल को राजस्थान के बालोतरा आ रहे थे। उनको यहां पर पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करना था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पचपदरा रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लगने के बाद बाद प्रधानमंत्री मोदी के राजस्थान दौरे को स्थगित करने की खबर सामने आई है। उधर पीएम मोदी का दौरा स्थगित होने के निर्णय के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दौरा भी रिशेड्यूल हो गया है।

4 बजे सीएम जाने वाले थे पचपदरा

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आज शाम 4 बजे बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी जाने का कार्यक्रम था, लेकिन रिफाइनरी की एक यूनिट में लगी आग ने सालों से उद्घाटन का इंतजार और बढ़ा दिया है। आग की घटना के बाद पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पीएम मोदी के द्वारा पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण कार्यक्रम को स्थगित करने की जानकारी दी।

लोकार्पण की नई तारीख का कब होगा ऐलान

मंत्रालय की ओर से कहा गया कि HRRL रिफाइनरी में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट के पास आग लगने की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण 21 अप्रैल को रिफाइनरी के लोकार्पण कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। आग पर काबू पा लिया गया है। किसी भी तरह की जान-माल की हानि की कोई खबर नहीं है। इस घटना के कारणों का पता लगाने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के लिए एक जांच शुरू कर दी गई है। लोकार्पण की नई तारीख की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

रिफाइनरी के उद्घाटन से एक दिन पहले लगी आग

बता दें कि पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन होने से ठीक एक दिन पहले ही एक यूनिट आग लग गई। बताया जा रहा है कि रिफाइनरी की CDU यूनिट में आग लगी। इसके बाद रिफाइनरी में अफरातफरी मच गई। इस घटना से अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि रिफाइनरी कार्यक्रम स्थल से महज़ एक किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। घटनास्थल से धुएं के घने बादल उठते देखे गए, जिसके बाद रिफाइनरी के अग्निशमन सुरक्षा प्रणालियों को तुरंत सक्रिय कर दिया गया। एहतियात के तौर पर, प्रभावित क्षेत्र में काम कर रहे कर्मचारियों को तुरंत वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल की लगभग 20 गाड़ियां भेजी गईं। आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने रिफाइनरी कर्मियों के साथ मिलकर, वहां मौजूद अग्निशमन प्रणालियों का उपयोग करते हुए आग को बुझाने का काम किया। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को काबू में कर लिया गया है। सीएमओ के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना "मामूली" है, और आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया गया है। आग लगने के सटीक कारण का पता अभी नहीं चल पाया है, और संभवतः इसकी जांच की जाएगी। गौरतलब है कि पीएम मोदी बालोतरा में पचपदरा रिफाइनरी का सुबह लगभग 11.30 बजे उद्घाटन करने वाले थे। जिसके बाद एक जनसभा को भी संबोधित करने का कार्यक्रम था।

जूली ने सरकार को घेरा

इस बीच, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, "बालोतरा स्थित पचपदरा रिफाइनरी में लगी आग बेहद गंभीर और चिंताजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल इस रिफाइनरी का उद्घाटन करने आ रहे हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी ने बनवाया था। उद्घाटन से ठीक एक दिन पहले इस तरह की घटना, सरकार की जल्दबाजी में की गई व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है।" जूली ने आगे कहा कि भाजपा ने कांग्रेस के इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को वर्षों तक अटकाए रखा, जिससे इसकी लागत दोगुनी हो गई।

जयपुर में अब जाम से मिलेगी राहत, जल्द शुरू होंगे AI ट्रैफिक सिग्नल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर पुलिस आयुक्तालय शहर के कुछ प्रमुख चौराहों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से संचालित ट्रैफिक सिग्नल लगाने जा रहा है। यह कदम प्रस्तावित एआई-नियंत्रित ट्रैफिक कमांड सेंटर के हिस्से के रूप में उठाया जा रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण पारंपरिक ट्रैफिक सिग्नल लगाने की नोडल एजेंसी है, यह शहर यातायात पुलिस से परामर्श लेकर काम करती है। लेकिन इन नए AI-सक्षम सिग्नलों की स्थापना यातायात विंग स्वतंत्र रूप से करेगी। अधिकारियों के अनुसार, इसका उद्देश्य भविष्य में प्रस्तावित हाई-टेक इंटीग्रेटेड ट्रैफिक कमांड सेंटर के साथ इन सिग्नलों को पूरी तरह से सिंक्रोनाइज करना है।

कैसे काम करेगा AI ट्रैफिक सिस्टम?

एक वरिष्ठ यातायात अधिकारी ने बताया कि नए सिग्नल उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों के नेटवर्क से जुड़े होंगे। ये कैमरे हर चौराहे पर आने वाली सभी सड़कों पर वाहनों की घनत्व (डेंसिटी) का आकलन करेंगे और ट्रैफिक की मात्रा के अनुसार हरी और लाल बत्ती का समय स्वचालित रूप से तय करेंगे। इस प्रणाली से जाम वाली लेन तेजी से साफ हो सकेगी, जबकि कम व्यस्त रूट पर अनावश्यक प्रतीक्षा समय कम हो जाएगा। अधिकारी ने कहा कि यातायात अनुकूलन के अलावा, यह तकनीक सड़क सुरक्षा प्रवर्तन को भी मजबूत करेगी। सिस्टम हेलमेट न पहनने या सीट बेल्ट न लगाने जैसी उल्लंघनों की पहचान कर सकेगा और स्वचालित रूप से जुर्माना प्रोसेसिंग कर सकेगा।

उदयपुर में सफल पायलट प्रोजेक्ट

अभी उदयपुर के फतेहपुरा सर्कल पर एक ऐसा AI-सक्षम ट्रैफिक सिग्नल लगाया जा चुका है। अधिकारियों ने पायलट प्रोजेक्ट के परिणामों की समीक्षा की है और इसे सफल मानते हुए राजस्थान के अन्य हिस्सों में विस्तार करने पर विचार कर रहे हैं। यह आधुनिक यातायात बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की व्यापक पहल का हिस्सा है।

जेडीए की बैठक में फैसला

एक अन्य अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, यह तकनीक सफल साबित हो रही है। जेडीए की पिछली ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी, जहां यह फैसला लिया गया कि जयपुर आयुक्तालय स्वयं इस तकनीक को लगाएगा। यातायात विंग की एक टीम इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

एआई-सक्षम ट्रैफिक सिस्टम के फायदे

- पारंपरिक सिग्नल फिक्स्ड टाइमर पर चलते हैं, जबकि यह तकनीक लगातार यातायात स्थिति का विश्लेषण कर रीयल-टाइम में सिग्नल चरणों को समायोजित करती है।
- उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों के माध्यम से हर अप्रोच रोड पर वाहनों की घनत्व की निगरानी करता है और ट्रैफिक वॉल्यूम के आधार पर हरी/लाल बत्ती का समय स्वचालित रूप से तय करता है।
- जाम वाली लेन को तेजी से क्लियर करने की सुविधा।
- हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने जैसे उल्लंघनों की पहचान कर स्वचालित जुर्माना प्रोसेसिंग। यह व्यवस्था व्यस्त चौराहों पर यातायात प्रवाह को बेहतर बनाएगी और रीयल-टाइम में उल्लंघनों का पता लगाकर प्रवर्तन को मजबूत करेगी।

लू और भीषण गर्मी का सितम, इन 11 जिलों के लिए मौसम विभाग का अलर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में गर्मी का सितम लगातार बढ़ता जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव अब कमजोर पड़ चुका है। उत्तर-पश्चिम भारत में ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। अगले कुछ दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री की और बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर पूर्वी राजस्थान के जिलों में गर्मी चरम पर पहुंचने वाली है। बीते 24 घंटे के दौरान भी तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार (21 अप्रैल) को चूरू और बीकानेर में 42 डिग्री से ऊपर तापमान दर्ज किया गया। कोटा, पिलानी, जोधपुर और फलोदी में भी 41 डिग्री के आसपास पारा रहा, जबकि जयपुर में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

सामान्य से 4-5 डिग्री रहेगा पारा

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य के कई जिलों में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने अजमेर, अलवर, भरतपुर, जयपुर, झुंझुनू, दौसा, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक समेत पूर्वी राजस्थान के जिलों में उष्ण लहर की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री अधिक रह सकता है। कुछ इलाकों में 42-43 डिग्री तक पारा पहुंचने की आशंका है।

मेघगर्जन-वज्रपात की संभावना

बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन और वज्रपात की भी संभावना है, लेकिन अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है. बढ़ती गर्मी और उष्ण लहर के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है. लोग दोपहर में बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरत रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी

बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। खेतों में काम करने वाले किसानों को भी दोपहर की तेज धूप से बचने व जरूरी संसाधनों के प्रयोग की हिदायत दी गई है।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**